हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 41 | प्रयागराज, शनिवार 12 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

232 करोड रुपये से 17 जिलों को मुख्यमंत्री ने दी स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज जिला यमुनानगर में 275 बिस्तरों वाले मुकन्द लाल जिला नागरिक अस्पताल सहित 17 जिलों में 46 स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इन संस्थानों पर लगभग 232 करोड रुपये की लागत आई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बडी घोषणा करते हुए कहा कि पोम्प रोग, डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) व स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) इत्यादि 55 दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित मरीजों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इन मरीजों को 2750 रुपये प्रति माह पेंशन दी जाएगी। अभी तक सरकार की ओर से थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, कैंसर स्टेज–3 एवं 4 के मरीजों को पेंशन प्रदान की जाती है। आज से 55 दुर्लभ बीमारियों को भी इस सूची में जोड दिया गया है और इस आर्थिक सहायता हेतू सरकार ने 25 करोड रुपये के बजट का प्रावधान किया है। मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में थैलेसीमिया व हीमोफीलिया बीमारी से ग्रसित 3 हजार मरीज, कैंसर स्टेज–3 एवं 4 के 4 हजार मरीज और 55 दुर्लभ बीमारियों

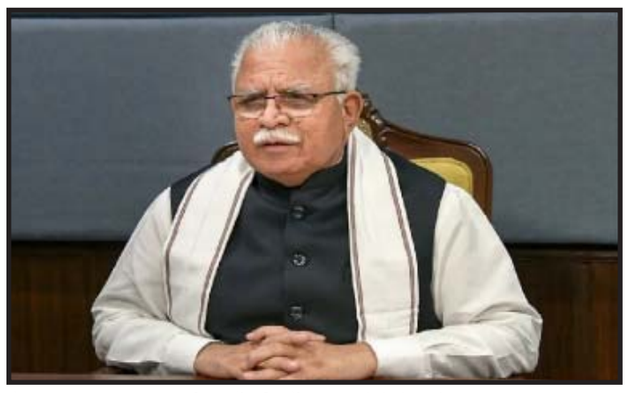

के लगभग 1 हजार मरीज हैं, जिन्हें सरकार की ओर से पेंशन स्वरूप आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 55 दुर्लभ बीमारियों की सूची स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट पर चिन्हित करवा दी हैं, इन बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति वेबसाइट पर अपने मेडिकल सर्टिफिकेट के साथ रजिस्ट्रेशन करें। यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में गश्ह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज, स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल और विधायक घनश्याम अरोडा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। अन्य जिलों में आयोजित उद्घाटन समारोहों में बतौर मुख्य अतिथि मंत्रीगण और विधायक वर्चुअली इस कार्यक्रम से जुडे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुनानगर में आज उद्घाटन किए गए मुकन्द लाल जिला नागरिक अस्पताल पर लगभग 100 करोड रुपये की लागत आई है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने की दिशा में आज का यह कदम निश्चित तौर पर अहम है। भिवानी, करनाल, फतेहाबाद, रोहतक, कैथल, फरीदाबाद, पलवल, सिरसा, पंचकूला, नूहं, चरखी दादरी, जींद, यमुनानगर, हिसार, गुरुग्राम, नारनौल और कुरुक्षेत्र में 46 स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन किया गया है। इनमें 1 जिला सिविल अस्पताल, 2 उप मंडल सिविल अस्पताल, 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 1 शहरी स्वास्थ्य केंद्र, 1 मातश एवं शिशु अस्पताल, 8 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 15 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र और 15 उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार हर वर्ष स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट को बढा रही है। इतना ही नहीं, डॉक्टरों की संख्या को बढाने के लिए भी सरकार कदम उठा रही है। डब्ल्यूएचओ के मानदंडों के अनुसार प्रदेश में लगभग 28 हजार डॉक्टर होने चाहिए, जबकि आज सरकारी व निजी मिलाकर 13 हजार डॉक्टर हैं।

वर्ष 2014 में प्रदेश में मात्र 750 एमबीबीएस सीटें थी और हमारी सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटों की संख्या बढाई और नये मेडिकल कॉलेज खोलने के परिणामस्वरूप आज एमबीबीएस सीटों की संख्या बढकर 1900 हो गई है। इतना ही नहीं, अब 7 मेडिकल कॉलेज या तो निर्माणाधीन है या घोषित किए जा चुके हैं। इनके बनने के बाद एमबीबीएस की संख्या 3 हजार से भी अधिक हो जाएगी। इसके अलावा, पैरामेडिकल स्टाफ और नर्सिंग स्टाफ की संख्या को भी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंचकूला में भी एक नया मेडिकल कॉलेज तथा एक आयुर्वेदिक कॉलेज बनाया जाएगा। इसके अलावा, भालखी– माजरा में बनने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के लिए जमीन की सारी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

जल्द ही इसका शिलान्यास किया जाएगा। मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना चलाई है, जिसके तहत गरीब व जरूरतमंद परिवारों को 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा मिली। इसमें प्रदेश के साढे 15 लाख परिवारों को लाभ मिला है। लेकिन हरियाणा सरकार ने एक कदम और आगे बढाकर इस योजना का दायरा बढाया और चिरायु हरियाणा योजना लागू की। आज प्रदेश के लगभग साढे 29 लाख परिवारों को इन योजनाओं के तहत लाभ मिल रहा है।

अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार AAP सरकार के पास, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सर्विसेज पर नियंत्रण किसका होगा, सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने इसका फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की ट्रांसफर–पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया है। इस फैसले से केजरीवाल सरकार की बड़ी जीत हुई है। एनसीटी दिल्ली के पास सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर सेवाओं पर दिल्ली सरकार को विधायी शक्ति दी गई है। सभी जजों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 2018 के फैसले पर असहमति जाहिर की है। कोर्ट ने अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग का अधिकार दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार की शक्तियां अन्य राज्यों के मुकाबले कम हैं। यहां चुनी हुई सरकार है लेकिन सरकार के पास शक्तियां सीमित हैं। कोर्ट ने माना की चुनी हुई सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही है। एनसीटी पूर्ण राज्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एग्जीक्यूटिव मामले का अधिकार एलजी का है। लोकतंत्र में असली फैसला चुनी हुई सरकार को ही करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र का कानून नहीं है तो दिल्ली सरकार

कानून बना सकती है। चुनी हुई सरकार का प्रशासन पर नियंत्रण जरूरी। एलजी को सरकार की बात माननी चाहिए। एलजी को चुनी हुई सरकार को ही करना चाहिए। आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। दिल्ली सरकार ने कोर्ट से केंद्र के साथ अपनी शक्ति की सीमा तय करने की मांग की थी। जनवरी महीने में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने चार दिनों तक दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट में केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि न सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश केंद्र का एक्सटेंशन है, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश में काम करने वाले कर्मचारी भी केंद्र के मामलों के संबंध में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2018 के फैसले को बड़ी बेंच को ट्रांसफर करने की मांग की थी। दिल्ली सरकार की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए थे, जिन्होंने मेहता की मांग का विरोध किया था। बता दें कि केंद्र सरकार ने 2021 में नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली के कानूनों में संशोधन किया था। इसका आप सरकार ने पुर्जोर विरोध किया।

आबकारी नीति मामले में सिसोदिया की जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सीबीआई दिल्ली आबकारी घोटाला मामले की जांच कर रही है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता ने अपनी पत्नी की बीमारी के आधार पर जमानत के लिए तीन अप्रैल को हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि सिसोदिया को वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा मुहैया करायी जाए ताकि वे हर दूसरे दिन जेल नियमों के अनुसार तीन से चार बजे के बीच अपनी पत्नी से बात कर सकें। सीबीआई ने बुधवार को यह तर्क देते हुए जमानत याचिका का विरोध किया था कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सत्ता में हैं और उनका राजनीतिक रसूख है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस. वी. राजू जांच एजेंसी की ओर से पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि सिसोदिया ने आबकारी सहित विभिन्न विभागों को नियंत्रित किया और जिस दिन मामला एलजी द्वारा सीबीआई को भेजा गया उस दिन जानबूझकर कुछ सबूत और एक मोबाइल फोन

को नष्ट कर दिया। न्यायमूर्ति शर्मा की पीठ के सामने सीबीआई ने दस्तावेजों से संबंधित एक लापता फाइल का भी उल्लेख किया और कहा कि यह शायद इसलिए गायब हो गई क्योंकि इसमें कुछ टिप्पणियां थीं जो इनके खिलाफ थी।

एएसजी ने कहा हमारा कहना यह है कि फाइल को नष्ट कर दिया गया या इसे गायब कर दिया गया। हमारे पास यह दिखाने के लिए सबूत हैं कि आखिरी बार उन्हें ही सौंपी गई थी। इसमें कैबिनेट नोट था। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 23 मई तक बढ़ा दी थी। सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे मामले में, दिल्ली की अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिल्ली के साथ जम्मू कश्मीर पर भी पड़ेगा प्रभाव : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का दिल्ली के साथ ही अन्य केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर पर भी दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह ने ट्वीट कर कहा, केंद्र शासित प्रदेशों की शक्ति पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का न केवल दिल्ली, बल्कि भविष्य में जम्मू–कश्मीर मेंभी दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। दरअसल, दिल्ली में पिछले लंबे समय से उपराज्यपाल और दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के बीच अधिकारों को लेकर खींचतान चल रही थी। बतौर राजनीतिक दल भाजपा इस खींचतान में यह कहते हुए उपराज्यपाल के साथ खड़ी नजर आती थी कि दिल्ली एक केंद्र शासित प्रदेश है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली देश के अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की तरह का यूटी नहीं है।

पोखरण परमाणु परीक्षण के 25 साल, पीएम मोदी बोले,यह भारतीय इतिहास के सबसे गौरवशाली दिनों में

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोखरण में 1998 में हुए परमाणु परीक्षण को भारत के इतिहास के सबसे गौरवशाली दिनों में से एक बताया और कहा कि देश के लिए प्रौद्योगिकी अपना दबदबा कायम करने का माध्यम नहीं बल्कि देश की प्रगति को गति देने का एक उपकरण है। पोखरण परीक्षण की वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर यहां प्रगति मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सशक्तिकरण के स्रोत के रूप में और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि चाहे जनधन, आधार और मोबाइल की तिकड़ी हो, कोविन पोर्टल हो या किसानों के लिए डिजिटल बाजार हो, उनकी सरकार ने प्रौद्योगिकी को 'समावेश के एजेंट के रूप में इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर उनकी सरकार के जोर ने एक बड़े बदलाव की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले सालाना लगभग 4,000 पेटेंट पंजीकृत होते थे, लेकिन अब यह संख्या 30,000 से

अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में करीब 100 स्टार्टअप थे आज इनकी संख्या एक लाख के करीब पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि पहले सालाना 70,000 ट्रेड मार्क पंजीकृत हुआ करते थे, यह आंकड़ा अब 2.5 लाख से अधिक है, जबकि इनक्यूबेशन केंद्रों की संख्या 2014 में 150 थी जो बढ़कर 650 हो गई है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर यहां प्रगति मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया और 5,800 करोड़ रुपए से अधिक की कई वैज्ञानिक परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के 25वें वर्ष के समारोह के प्रारंभ का प्रतीक है जिसका आयोजन 11 से 14 मई तक किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, ''आज 11 मई का ये दिन, भारत के इतिहास के सबसे गौरवमयी दिनों में से एक है। आज भारत के वैज्ञानिकों ने पोखरण में वह उपलब्धि हासिल की थी जिसने मां भारती की हर संतान का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनमें लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी–इंडिया, होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, जतनी, ओडिशा और टाटा मेमोरियल अस्पताल के मुंबई का प्लैटिनम जुबली ब्लॉक शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने हाल के दिनों में भारत में की गई वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को दर्शाने वाले एक्सपो का उद्घाटन भी किया। उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 1999 में भारत के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विकास के लिए काम करने वाले और मई 1998 में पोकरण में परमाणु परीक्षण की सफलता सुनिश्चित करने वाले भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा टेक्नोलॉजिस्टों को सम्मानित करने के लिए प्रारंभ किया था। तब से प्रत्येक वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। इसे प्रत्येक वर्ष नए और भिन्न विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय है, ''स्कूल टू स्टार्टअप्स–इग्नाइट यंग माइंड्स टू इनोवेट है।

जो लोग सवाल उठा रहे थे, वो अब हो जाएंगे चुप सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में पिछले साल शिवसेना केंद्रित राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गुरुवार को ''पूर्ण संतोष व्यक्त किया। फडणवीस ने मीडिया से कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पूर्ण संतुष्टि व्यक्त करता हूं। जो लोग अनुमान लगा रहे थे कि यह सरकार आज गिर जाएगी, वे (फैसले से) चुप हो गए हैं।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ फैसले पर विस्तार से टिप्पणी करूंगा। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पिछले साल 30 जून को महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बुलाना सही नहीं था। हालांकि कोर्ट ने पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार करते हुए कहा कि ठाकरे ने शक्ति परीक्षण से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र में पिछले साल शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाडी (डट।) सरकार गिरने और फिर उत्पन्न

राजनीतिक संकट से जुडी अनेक याचिकाओं पर सर्वसम्मति से दिए गए अपने फैसले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि शिंदे गुट के भरत गोगावाले को शिवसेना का सचेतक नियुक्त करने का विधानसभा अध्यक्ष का फैसला 'अवैध था। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चूंकि ठाकरे ने विश्वास मत का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था, इसलिए राज्यपाल ने सदन में सबसे बडे दल भाजपा के कहने पर सरकार बनाने के लिए शिंदे को आमंत्रित करके सही किया। पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा शामिल हैं। उसने कहा, ''सदन में बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल का ठाकरे को बुलाना उचित नहीं था क्योंकि उनके पास मौजूद सामग्री से इस निष्कर्ष पर पहुंचने का कोई कारण नहीं था कि ठाकरे सदन में बहुमत खो चुके हैं। पीठ ने कहा, ''हालांकि, पूर्व स्थिति बहाल नहीं की जा सकती क्योंकि ठाकरे ने विश्वास मत का सामना नहीं किया और इस्तीफा दे दिया था। इसलिए राज्यपाल का सदन में सबसे बडे दल भाजपा के कहने पर सरकार बनाने के लिए शिंदे को आमंत्रित करने का फैसला सही था।

राजनीति आग का दरिया है जिसे तैर कर पार करना पडेगा : सचिन पायलट

अजमेर। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस आलाकमान पर दबाव बढाते हुए पार्टी नेता सचिन पायलट ने अपनी जन संघर्ष पदयात्रा बश्हस्पतिवार दोपहर को अजमेर से शुरू की। उन्होंने अपनी इस पांच दिन की यात्रा को श्रष्टाचार के विरोध में बताया और कहा कि अपनी आवाज उठाने, आपकी आवाज सुनने और जनता की आवाज बनने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा शुरू करने से पहले पायलट ने अजमेर में जयपुर रोड पर अशोक उद्यान के पास एक सभा की। इसमें उन्होंने कहा कि यात्रा किसी (व्यक्ति विशेष) के विरोध में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ है। पायलट ने कहा,''अपनी आवाज उठाने के लिए, आपकी आवाज सुनने के लिए, जनता की आवाज बनने के लिए हम लोगों ने यह यात्रा निकाली है। उन्होंने कहा,'जन संघर्ष यात्रा किसी के विरोध में

नहीं है। जन संघर्ष यात्रा भ्रष्टाचार के विरोध में है। जन संघर्ष यात्रा नौजवानों के संरक्षण के लिए है। हमारे बच्चे बच्चियां पढ लिखकर उन पदों पर बैठें जहां से सब नीतियां बनती है। यह यात्रा अजमेर से शुरू होकर जयपुर की ओर आएगी और लगभग 125 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। पहले दिन रात्रि विश्राम किशनगढ के तोलामल गांव में होगा। पायलट ने यहां मंगलवार को इस यात्रा की घोषणा करते हुए कहा था कि वह भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते रहेंगे और 11 मई से अजमेर से जयपुर के बीच जन संघर्ष पदयात्रा निकालेंगे। पायलट के अनुसार इस घोषणा के बाद लोगों ने उनसे कहा कि आप इतनी कडी गर्मी में पदयात्रा करना चाहते हैं तो मैंने कहा,'राजनीति आग का दरध्या है जिसे तैर कर पार करना पडेगा। अपने दिवंगत पिता राजेश पायलट व मां रमा पायलट के राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा, 'हमारी निष्ठा पर, हमारी ईमानदारी परकृ हमारे विरोधी भी उंगली नहीं उठा सकते। इसके साथ ही पायलट ने पेपर लीक प्रकरण व वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया। पायलट ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई को लेकर 11 अप्रैल को यहां एक दिन का अनशन भी किया था। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पायलट व मुख्यमंत्री गहलोत के बीच 2018 के आखिर में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के समय से ही नेतश्त्व को लेकर खींचतान चली आ रही है।

सम्पादकीय

कंगाली में बवाल

पाक में बीते वर्ष अप्रैल में सेना ने पूर्व नियोजित पटकथा के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव के जरिये इमरान खान की सरकार को गिराकर अपनी सुविधा के राजनीतिक गठबंधन को सत्ता की बागडोर सौंप दी थी। दरअसल, खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख पद पर अपनी पसंद के जनरल की नियुक्त के मसले पर सेना प्रमुख से हुए टकराव के बाद सेना इमरान खान के खिलाफ हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अप्रत्याशित ढंग से कई बार राहत देने के बाद हाईकोर्ट के जरिये एक कथित भ्रष्टाचार के मामले में इमरान खान की नौ मई को गिरफ्तारी की गई। लेकिन गिरफ्तारी के दौरान इमरान खान के साथ जिस तरह हिंसक व्यवहार किया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। दरअसल, दबंग नेता व पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सेना की निरंकुशता के खिलाफ लगातार मुखर थे। तभी आठ मई को उनके द्वारा सेना के खिलाफ दिये गये बयान के बाद उनकी गिरफ्तारी की पटकथा लिखी गई और अगले दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया। वैसे इमरान खान को भी आशंका थी कि उन्हें गिरफ्तार किया जायेगा। तभी उन्होंने एक वीडियो के जरिये अपने समर्थकों को उद्वेलित कर दिया था। जिस तरह लगातार उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज किये जा रहे थे, उसे देखकर तय था कि उनकी गिरफ्तारी की तैयारियां कर ली गई हैं। तभी उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में उबाल है। हिंसा–आगजनी से पूरे पाकिस्तान में अराजकता की स्थिति है। लेकिन न्यायालय परिसर में इमरान की गिरफ्तारी के बाद न्यायपालिका में भी आक्रोश व्याप्त है, जो कालांतर सत्ता और न्यायपालिका के बीच टकराव की वजह बन सकती है। ऐसे वक्त में जब पाक में इमरान खान की लोकप्रियता उफान पर है, टकराव का सिलसिला लंबा चल सकता है। कुछ इलाके पहले ही सेना के हवाले किये जा रहे हैं। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की जरूरत के अनुरूप भी है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उनके दरकते गढ़ पंजाब में विधानसभा चुनाव होने थे। निस्संदेह, फिलहाल पाक में इमरान खान व उनकी पार्टी पीटीआई की लोकप्रियता चरम पर है। जिसके चलते पाक की सत्ता पर काबिज गठबंधन और सेना चाहती है कि किसी तरह इमरान खान को चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य ठहराया जाये। सत्ता व उसके अन्य प्रतिष्ठानों में गहरा दखल रखने वाली सेना कभी नहीं चाहती कि पाक में कोई लोकतांत्रिक ढंग से चुना कद्दावर नेता सत्ता पर आसीन हो। ऐसा होने से सेना के निरंकुश व्यवहार पर आंच आती है। तभी जल्दी आम चुनाव कराने के लिये आंदोलनरत इमरान खान को दागी करार देकर सत्ता से बाहर रखने का प्रपंच किया गया। कोशिश है कि सेना की सुविधा के अनुसार सरकार का गठन पाकिस्तान में किया जाये। यह विडंबना ही है कि विभाजन के साथ ही अस्तित्व में आये भारत में जहां अमृतकाल का उत्सव जारी है और लोकतंत्र फल–फूल रहा है, वहीं पाकिस्तान में बार–बार लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है। इतिहास गवाह है कि जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज शरीफ तक को सत्ता से बेदखल करके सैन्य सत्ता का मार्ग बार–बार प्रशस्त किया गया। साजिशों और सैन्य बल प्रयोग से पाकिस्तान में लोकतंत्र बार–बार मरणासन्न हुआ है। भ्रष्टाचार, कुशासन, सेना की विलासिता और आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति बनाने का ही नतीजा है कि पाकिस्तान आज आर्थिक रूप से दिवालिया होने के कगार पर है। भारी महंगाई के दौर में पाक में लोग दो जून की रोटी का जुगाड़ मुश्किल से कर पा रहे हैं। विदेशी कर्ज के लगातार बढ़ते बोझ के बीच भविष्य में उम्मीद की किरण नजर नहीं आती। हालिया राजनीतिक अराजकता आम पाकिस्तानी के जीवन को और कष्टप्रद ही बनायेगी। इमरान के बाद उनके सहयोगियों व समर्थकों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। ऐसे में पाकिस्तान में हालात जल्दी सामान्य होंगे, कहना कठिन है। हो सकता है कि भविष्य में चुनाव के नाम पर फिर सेना किसी सुविधाजनक गठबंधन को सत्ता की बागडोर सौंपकर पर्दे के पीछे से देश चलाती रहे। यह भी संभव है कि दशकों से शासन करने की महत्वाकांक्षा रखने वाली सेना फिर मार्शल लॉ के जरिये लोकतांत्रिक अधिकारों का ही दमन करना शुरू कर दे।

अजीब किस्म की कूटनीति

भारत के बड़े जनमत की यह अपेक्षा वाजिब है कि विदेश मंत्री जयशंकर को चीन को भी उसी मजबूती के साथ सार्वजनिक जवाब देना चाहिए था, जैसा उन्होंने पाकिस्तान के मामले में किया। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने आए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बेशक करारा जवाब दिया। उन्होंने सार्वजनिक रूप ले उनकी उपेक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हालांकि साथ ही ये खबर भी आई कि जयशंकर ने बतौर मेजबान बिलावल से हाथ मिलाया, लेकिन यह सुनिश्चित होने के बाद कि सारे कैमरे बंद हो चुके हैं। बिलावल ने पत्रकारों के सामने 2019 में जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द होने का सवाल उठाया, तो उसके जवाब में जयशंकर ने इसका जवाब उन्हें आतंकवाद का प्रवक्ता बता कर दिया। इस तरह देश में यह संदेश गया है कि वर्तमान भाजपा सरकार पाकिस्तान को उसकी जगह दिखाने के अपने मजबूत इरादे पर कायम है। बहरहाल, सवाल यह उठा है कि ऐसा ही इरादा जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री चिन गांग को क्यों नहीं दिखाया? अप्रैल के आखिरी हफ्ते में एससीओ की ही बैठक में भाग लेने जब चीनी रक्षा मंत्री आए थे, तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनसे द्विपक्षीय वार्ता करने के बावजूद उनसे हाथ नहीं मिलाया। भारत में सोशल मीडिया पर उसके साथ ही राजनाथ सिंह के अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों से हाथ मिलने की तस्वीरें वायरल हुईं। जाहिर है, उसमें एक संदेश छिपा था।

देश की उन्नति और विकास में कितना प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण और विज्ञान

भारत की वर्तमान में जनसंख्या भारी–भरकम देश चीन की जनसंख्या से भी ज्यादा हो गई है। यानी कुल मिलाकर एक अरब चालीस करोड़ आबादी वाला भारत में जनसंख्या के बोझ तले विकास और उन्नति बेहद धीमी और अविकसित है।

विकसित तथा समश्द्ध देश भारत की जनसंख्या मैं एक संभावना वाला उपभोक्ता बाजार तलाशते हैं और इसे बहुत बड़ी पूंजी भी मानकर अपनी उपभोक्ता सामग्री भारत में बेचने का प्रयास करते हैं। केवल बाजार में निवेश और बाजारी ताकत ही विकास का पैमाना नहीं हो सकती है। बहुत बड़ी जनसंख्या सीमित संसाधनों को नष्ट कर देती है और विकास की ध ार को कमजोर करने का काम करती है। यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण करते हैं तो देश में बिजली, पानी की कमी बढ़ती महंगाई, फैलती विनाशकारी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, अशिक्षा के फैलाव पर नियंत्रण, गरीब व्यक्ति को और गरीब होने से रोकने का प्रभावी तरीका तथा सांप्रदायिक दंगों पर रोक लगाई जा सकती है। कम और नियंत्रित जनसंख्या तेजी से विकास का पैमाना हो सकती है। 1951 से लेकर 81 तक भारत में जनसंख्या में जबरदस्त वश्द्धि हुई है और इसे जनसंख्या विस्फोट का भी नाम दिया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। वर्तमान जनसंख्या का विशाल स्वरूप 1981 के बाद भारत में विशालतम हो गया है और आज की जो जनसंख्या का विस्फोट उसी की परिणति है। भारत में जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और घटती मश्त्यु दर भी है। सीमित संसाधन कमजोर आर्थिक व्यवस्था के कारण देश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार गरीबी महंगाई पानी तथा बिजली की कमी बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम ही हैं।

यह तो अत्यंत निश्चित है यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण कर ले तो हम अपने विकास की गति को दोगुना कर सकते हैं। विकास के विभिन्न स्वरूपों को देखा जाए तो इसमें हम समावेशी विकास के रूप में देखकर आर्थिक विकास की उत्तर जनित राष्ट्रीय आय के विस्तश्त नियोजन में समाज के सबसे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को सही लाभ मिलने का नजरिया भी तलाशते हैं। जनसंख्या नियंत्रण कर गरीबी को नीचे से ऊपर की ओर सुधारने का काम हमें करना होगा और इसके लिए यह जरूरी है की कमजोर और वंचित वर्गों जिनमें महिला, वश्द्ध, एससी, एसटी,श्रमिक आदि शामिल हैं को समुचित लाभ मिलना चाहिए। बच्चे आने वाले देश के नागरिकों के लिए उचित एवं आवश्यक शिक्षा की सुविधा मुहैया होनी चाहिए। वैसे जनसंख्या नियंत्रण ही विकास की समुचित धारा नहीं हो सकती हमें जनसंख्या के साथ सामाजिक आर्थिक सुरक्षा एवं सीमित संसाधनों के साथ तालमेल बिठाकर निरंतर आगे बढ़ना होगा लेकिन आवश्यकता संसाधनों के उचित दोहन नीतियों एवं कार्यक्रमों की है और आवश्यकता है नवाचार एवं उचित तकनीकी प्रौद्योगिकी की भी। वर्तमान में भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है उसके विपरीत चीन और जापान में निरंतर जनसंख्या में वश्द्धों का अनुपात बढ़ रहा है इस तरह भारत में प्रचुर मानव संसाधन के स्रोत उपलब्ध हैं जिसका सही उपयोग करके भारत अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को अत्यंत शक्तिशाली कर सकता है, इसके विपरीत भारत में विस्तश्त रूप से गरीबी, बीमारियां, बेरोजगारी, जैसी विकराल समस्या में विद्यमान है। विश्व के कई कम आबादी वाले देश जैसे सोमालिया,लिथुआनिया आदि गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या से दो–चार हो रहे हैं और कम जनसंख्या के बावजूद विकास नहीं कर पा रहे हैं ।

जबकि बहुत बड़ी जनसंख्या वाले देशों में चीन और अमेरिका विकसित राष्ट्रों की कतार में हैं एवं विकास के शीर्ष पर हैं। भारत के पास सभी संसाधन और विकसित होने के सारे अवयव हैं इसके बावजूद भारत विज्ञान, टेक्नोलॉजी में काफी पीछे होकर अशिक्षा, अंधविश्वास ,कृषि कार्यों का निम्न स्तर आर्थिक असमानता की समस्याएं झेल रहा है जो भारत के विकास में बाधक है। भारत में अब आज की व्यवस्था में जनसंख्या नियंत्रण तो होना ही चाहिए इसके साथ जरूरत है संसाधनों के उचित प्रयोग एवं सदुपयोग की।

अब सोचने की हमारी बारी है क्या जनसंख्या नियंत्रण गरीबी दूर करने बेरोजगारी दूर करने दंगा रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ शासन प्रशासन पर ही है ,हम आम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती जबकि हम जानते हैं कि समस्याओं को उत्पन्न करने में हम ही लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं हम लोग को यह समझना होगा कि समस्याओं से निपटने की हमारी भूमिका उतनी ही अहम है जितनी शासन–प्रशासन की।

इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण उपलब्ध संसाधनों के समुचित सही दोहन की जिम्मेदारी हम सब पर होती है इसमें समुचित सहयोग प्रदान करना होगा तब जाकर भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आकर खड़ा हो सकता है। **–संजीव ठाकुर**

कर्नाटक में मतदान का अर्थ

कर्नाटक चुनावों में इस बार जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साह दिखाया है उसे देख कर निश्चित रूप से कहा जाता है कि उनका निर्णय भी निर्णायक होगा और कर्नाटक में पूर्ण बहुमत की सरकार भी बनेगी। विभिन्न चुनाव बाद (एक्जिट पोलों) नतीजों का यदि गंभीरता के साथ संज्ञान न भी लें तो इतना तो कहा ही जा सकता है कि मतदाताओं का फैसला त्रिशंकु विधानसभा के लिए नहीं होगा। राज्य में जिस तरह का चुनावी वातावरण पूरे प्रचार के दौरान रहा उससे यह नतीजा निकालना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है कि इस बार चुनाव परिणाम 2018 की तर्ज पर नहीं आयेंगे क्योंकि मतदाताओं के बढ़े प्रतिशत ने यह सन्देश तो दे ही दिया है कि उनका 'मूड' आर–पार का फैसला करने का है। यह आर–पार की लड़ाई निश्चित रूप से कांग्रेस व भाजपा के बीच ही रहेगी क्योंकि मतदाताओं ने 2018 के नतीजों से यह सबक सीखा लगता है कि किसी एक प्रमुख पार्टी को पूर्ण बहुमत न देने की वजह से खंडित जनादेश होने पर चुनावों के बाद बनने वाली सरकारें भी खंडित ही रह पाती हैं जिसकी वजह से कई बार मुख्यमन्त्री तक बदले जाते हैं और चुने हुए विधायकों की निष्ठा में परिवर्तन भी विभिन्न कारणों से हो जाता है। यदि हम कर्नाटक का इतिहास देखें तो यहां स्व. निजलिंगप्पा से लेकर स्व. देवराज अर्स व बी.डी. जत्ती जैसे प्रतिभाशाली व दूरदर्शी राजनेता हुए हैं। इनके अलावा भी कर्नाटक ने आजादी के बाद से ही ऐसे–ऐसे नेता दिये जिन्होंने इस राज्य के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका अदा की और कृषि से लेकर विज्ञान तक के क्षेत्र में इस राज्य की महत्ता स्थापित की। मगर कर्नाटक के साथ अपनी क्षेत्रीय पहचान का भी विशेष महत्व रहा है। अपनी विशिष्ट कन्नडिगा संस्कृति पर इस राज्य के लोगों को शुरू से ही गर्व रहा है अतः 70 के दशक में जब इसके मुख्यमन्त्री रहे स्व. देवराज अर्स ने इस राज्य का नाम मैसूर से बदल कर कर्नाटका रखा तो यहां की जनता ने स्व. अर्स को बहुत ऊंची नजर से देखा। इमरजेंसी के बाद 1977 में कांग्रेस के पुनः टूट जाने के बाद स्व. अर्स को प्रधानमन्त्री पद तक का दावेदार माना जाने लगा था परन्तु वर्तमान दौर की राजनीति पुराने दौर के मुकाबले पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन कर्नाटक के मिजाज से यह बात आज भी नहीं बदली है कि इसके लोगों ने कभी भी अपने ऊपर दिल्ली से लादे हुए नायकों को स्वीकृति नहीं दी। यह हकीकत मध्यकालीन भारत से लेकर आधुनिक लोकतान्त्रिक भारत तक में जारी है। यही वजह है कि वर्तमान विधानसभा चुनावों में कर्नाटक के क्षेत्रीय नेताओं को लेकर चुनाव प्रचार के दौरान भी काफी गहमा–गहमी रही है। अतः आजादी के बाद से इस राज्य में जो भी पार्टी सत्ता में रही है उसे क्षेत्रीय नेतृत्व को राजनीति की कमान देनी ही पड़ी है।

कांग्रेस पार्टी के इन्दिरा गांधी काल में बार–बार मुख्यमन्त्रियों को बदलने की सजा इस पार्टी को कई बार भुगतनी पड़ी और 1985 से यह राज्य कांग्रेस के प्रति लगभग बागी ही हो गया था। जब 1977 में बनी जनता पार्टी दो वर्ष बाद ही चौराहे पर बिखर गई तो इसी पार्टी के श्री राम कृष्ण हेगड़े ने 1985 के चुनावों में अपनी सरकार बनाई जिसे उन चुनावों में भाजपा के जीते 18 विधायकों का समर्थन भी प्राप्त था। इसके बाद से ही भाजपा ने इस राज्य में श्री बी.एस. येदियुरप्पा के नेतश्त्व में अपनी ताकत बढ़ानी शुरू की और वह इस राज्य के विपक्ष के एक कद्दावर नेता के रूप में उभरते चले गये इसके बावजूद वह कभी भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं दिला पाये और हर बार उन्हें बाहर से निर्दलीय व अन्य पार्टियों के विधायकों के बीच तोड़फोड़ करके मुख्यमन्त्री बनना पड़ा। वह कुल चार बार मुख्यमन्त्री बने और कभी अपना कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाये। 1985 के बाद राज्य में केवल तीन बार ही पूरे पांच साल तक किसी एक पार्टी की सरकार रही। इनमें दो बार कांग्रेस के नेतत्व में, एक बार भाजपा के नेतश्त्व में।

कांग्रेस ने अपने मुख्यमन्त्रियों को नहीं बदला मगर भाजपा ने कई मुख्यमन्त्री बदले। इन सरकारों के गढ़ न होने से हुए चुनावों में कभी मतदान प्रतिशत इतना नहीं रहा जितना कि इस बार हुआ है। अतः विश्लेषक मान रहे हैं कि इस बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की बारी है। दक्षिण के राज्यों का मिजाज देखते हुए यह माना जाता है कि इस पूरे दक्षिण भारत के लोगों का अपनी संस्कृति के प्रति विशेष मोह रहा है। इसके ऐतिहासिक कारण हैं लेकिन भारत की एकता में भी इन राज्यों का अटूट विश्वास रहा है। यही वजह है कि आठवीं शताब्दी में दक्षिण के केरल से निकल कर आदि शंकराचार्य ने उत्तर से लेकर दक्षिण व पूर्व से लेकर पश्चिम भारत की यात्रा की और भारत के लोगों को आपस में जोड़ने का तरीका निकाला। **–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

बृषभ :– किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

मिथुन :– मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

कर्क :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंह :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्या :– मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों कों भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतग्ररख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुला :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– संघर्ष के इन दिनों में ध ैर्य और हिम्मत से काम लें। मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनु :– आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकर :– भविष्य संबंधी कुछ योजनायें मन को प्रभावित करेंगी। मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभ :– अपने सुख–दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन :– आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

इमरान खान की गिरफ्तारी से संकट में पाक

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस वक्त गृहयुद्ध जैसे हालात बन रहे हैं। मंगलवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नेशनल अकाउंटिबिलिटी ब्यूरो (नैब) ने भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। वैसे तो इमरान खान पर कुल 83 एफआईआर विभिन्न मामलों में दर्ज है, जिनमें महिला जज को धमकी देना, बतौर प्रधानमंत्री मिले तोहफों को तोशाखाने में जमा न करना आदि शामिल हैं। लेकिन अभी इमरान खान को अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट में कदाचार करने के जुर्म में नैब ने गिरफ्तार किया है। कहा जा रहा है कि कई नोटिस दिए जाने के बावजूद इमरान खान पेश नहीं हुए, तो उन्हें गिरफ्तार किया गया। हालांकि जिस तरह से इमरान खान की गिरफ्तारी हुई है, उस पर उनके समर्थक सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इमरान खान किसी अन्य मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट गए थे, लेकिन उन्हें वहां अप्रत्याशित तरीके से गिरफ्तार किया गया। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ के नेताओं ने इस गिरफ्तारी को अपहरण करार दिया है। आरोप है कि इमरान खान के साथ हिंसा भी हुई, हालांकि नैब ने ऐसे किसी आरोप से इंकार किया है। पिछले साल इमरान खान को सत्ता से हटाया गया था और तब से उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप मौजूदा शाहबाज शरीफ की सरकार ने लगाए हैं। लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था और इस दौरान सत्ता से हटने के बावजूद इमरान खान सरकार के लिए लगातार चुनौती खड़ी कर रहे थे। उनके समर्थकों की बड़ी तादाद है और उन्हीं के दम पर इमरान खान फिर से सत्ता में वापसी की उम्मीदें लगाए बैठे थे। वे लगातार अपनी सत्ता से बेदखली को गलत बताते हुए निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे थे। लेकिन शरीफ सरकार ने चुनावों की कोई पहल नहीं की। बल्कि अब इमरान खान को गिरफ्तार कर उनके राजनैतिक भविष्य को पूरी तरह खत्म करने की तैयारियां दिख रही हैं। दरअसल इमरान खान इस समय अपनी लोकप्रियता के शिखर पर हैं और सरकार को लगता है कि खान अगर कुछ दिनों तक जेल में रहेंगे तो उनकी लोकप्रियता में कमी आएगी। इधर सेना से भी इमरान खान के रिश्ते बीते दिनों खराब हो गए हैं। इसलिए अगर इमरान खान चुनाव जीतकर फिर से प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो सेना के लिए बहुत परेशानी हो जाएगी। इसलिए सरकार और सेना की कोशिश है कि इमरान खान को जेल में बंद करके चुनाव करवाएं जाएं। क्योंकि तब उनके जीतने की संभावनाएं कम रहेंगी। 2018 में नवाज शरीफ को भी जेल में बंद करके चुनाव करवाया गया था, और इसका नुकसान उन्हें हुआ था। शरीफ सरकार चुनाव कब करवाती है और इससे किसे फायदा और किसे नुकसान होता है, ये तो बाद की बात है। लेकिन अभी शरीफ सरकार के लिए चौतरफा मुश्किलें खड़ी हो रही हैं।

इमरान खान की गिरफ्तारी पर उनके समर्थक देश भर में हिंसक प्रदर्शन तो कर ही रहे हैं, पाकिस्तानी सेना भी उनके निशाने पर आ गई है। कई जगह सेना के ठिकानों को आग के हवाले कर दिया गया है। पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय में भी इमरान खान समर्थक घुस गए और तोड़फोड़ की है। पाकिस्तानी का सियासी इतिहास इस बात का गवाह है कि वहां निर्वाचित सरकारें भी सेना की बैसाखी के बिना कदम नहीं बढ़ा सकती हैं। ऐसे में इमरान खान ने सीधे सेना से मुठभेड़ कर ली है।

अगर सेना कमजोर दिखी तो शरीफ सरकार की मुश्किल और बढ़ेगी। सरकार पहले ही पाकिस्तान के आर्थिक संकट की वजह से फंसी हुई है। पिछले साल सत्ता संभालने पर शहबाज शरीफ ने सबसे बड़ा वादा किया था कि वो पाकिस्तान को मौजूदा आर्थिक स्थिति से बाहर निकालेंगे। लेकिन अभी हालात इतने बदतर हैं कि लोग दाने–दाने को मोहताज हो रहे हैं। एक डॉलर की कीमत 285 पाकिस्तानी रुपए हो गई है, ब्याज की दर में 9.5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, पेट्रोल और डीजल की कीमत में लगभग 150 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, देश का मुद्रा भंडार 10.5 अरब डॉलर से घटकर कछरीब 4.2 अरब डॉलर हो गया है और महंगाई की दर बढ़कर कछरीब 35 प्रतिशत हो गई है। इन हालात में आम जनता के लिए जीना मुहाल हो गया है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से कर्ज भी नहीं ले पा रहा, क्योंकि एक तो आतंकवाद को प्रश्रय देने के आरोप उस पर लगते रहे हैं, दूसरे राजनैतिक अस्थिरता की वजह से उसकी साख को धक्का लगा है। पाकिस्तानी हुक्मरानों की नाकामयाबी वहां की आम जनता पर भारी पड़ रही है। आर्थिक संकट और राजनैतिक अस्थिरता के इस दौर में चीन पाकिस्तान पर प्रभाव बढ़ाने में लगा है। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री किन गांग पाकिस्तान दौरे पर थे और उन्होंने वहीं से पाक को नसीहत दी थी कि घरेलू और बाहरी मोर्चे की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान वहां के राजनेता निकालें। उन्होंने सीपीईसी यानी चीन–पाक आर्थिक गलियारे में हो रही देरी पर नाखुशी जताई थी। गौरतलब है कि सीपीईसी चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक हिस्सा है और इसके जरिए चीन दुनिया में अपने आर्थिक साम्राज्य को बढ़ाना चाहता है। चीन के विदेश मंत्री की नसीहत पर पाक में तीखी प्रतिक्रिया आई। इसे पाक के आंतरिक मामले में दखलंदाजी माना गया। लेकिन फिर सरकार को इमरान खान पर कार्रवाई भी करनी पड़ी, ताकि ये संदेश चीन को मिले कि वहां मजबूत सरकार है। इमरान खान पर अब आगे क्या कानूनी कार्रवाई होती है, उन्हें कितनी सजा मिलती है, उन पर चल रहे बाकी मामलों में किस तरह कार्रवाई होती है, इन सवालों के जवाब भविष्य के गर्भ में हैं। मगर अभी पाकिस्तान के हालात देखकर कहा जा सकता है कि शाहबाज शरीफ दुधारी तलवार पर चल रहे हैं। उन्हें भयावह आर्थिक संकट के साथ राजनैतिक संकट का सामना कर पड़ रहा है। जब निर्वाचित सरकारें कमजोर होती हैं, तो अवांछित तत्वों को सिर उठाने का मौका मिल जाता है। पाकिस्तान में सेना के संरक्षण में ऐसे कई अवांछित तत्व पलते–बढ़ते रहे हैं और ये भारत के लिए खतरा रहे हैं।

गहलोत का बयान, किसे अधिक फायदा?

राजनीति को लेकर एक पुरानी कहावत है, जिसे पिछले दिनों शिव सेना के नेता संजय राउत ने दोहराया। उन्होंने कहा कि राजनीति में कुछ भी अचानक घटित नहीं होता है। सो, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से छह महीने पहले पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को लेकर जो कहा वह भी अनायास नहीं है। गहलोत ने कहा कि 2020 में वसुंधरा और भाजपा के कुछ अन्य विधायकों, नेताओं ने उनकी सरकार बचाई थी। इस बयान के दो पहलू हैं। एक तो कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से जुड़ा है। इस तरह के बयानों से सचिन पायलट को निशाना बनाया जाता है और बार बार याद दिलाया जाता है कि उन्होंने अपनी ही सरकार गिराने का प्रयास किया था। इससे आलाकमान के सामने और जनता में भी उनको लेकर निगेटिव मैसेज जाता है। दूसरा पहलू भाजपा की अंदरूनी राजनीति से जुड़ा है। तभी सवाल है कि इससे वसुंधरा राजे को फायदा होगा या नुकसान होगा? इस बात की बहस में जाने की जरूरत नहीं है कि वसुंधरा ने गहलोत की सरकार सचमुच बचाई थी या यह एक अफवाह है? जिसे गहलोत सच बनाना चाहते हैं? पाकिस्तान के एक बड़े व्यंग्यकार थे मुश्ताक अहमद यूसुफी, जिन्होंने लिखा था– इस मुल्क की अफवाहों की एक बुरी बात यह है कि वह अक्सर सही साबित हो जाती हैं। यह बात भारत की राजनीति के बारे में भी कही जा सकती है। पहले अफवाहें उठती हैं और बाद में वो सही साबित हो जाती हैं। जैसे महाराष्ट्र में जब अजित पवार ने देवेंद्र फडनवीस के साथ उप मुख्यमंत्री की शपथ ली और बाद में एनसीपी में वापस लौट गए तो अफवाह उठी कि यह सब शरद पवार के इशारे पर हुआ है और पिछले दिनों फडनवीस ने इस अफवाह की पुष्टि कर दी। बहरहाल, अब तक जो बात सूत्रों के हवाले से या राजनीतिक साजिश के रूप में कही जाती थी उस पर मुख्यमंत्री ने मुहर लगाई है। इस बयान को दोनों तरह से देखा जा रहा है। एक नजरिया तो यह है कि गहलोत को पता है कि अगर उनको कोई चुनौती दे सकता है तो वह वसुंधरा हैं। इसलिए पहले उन्होंने वसुंधरा को भाजपा आलाकमान की नजर में संदिग्ध ा बनाने का प्रयास किया है ताकि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उन पर भरोसा न करे और उनके हाथ में कमान न दे। हालांकि आलाकमान पहले से हिचक दिखा रहा है और अब इस बयान के बाद ज्यादा नुकसान हो जाएगा।

इस बयान की दूसरी व्याख्या हो रही है कि इससे वसुंधरा की ताकत बढ़ेगी। दो तरह से उनकी ताकत बढने की बात हो रही है। पहला मैसेज तो यह है कि गहलोत उनको रास्ते से हटाना चाहते हैं इसलिए बदनाम कर रहे हैं और दूसरा मैसेज यह है कि अगर भाजपा आलाकमान ने वसुंधरा को कमान नहीं सौंपी तो वे कांग्रेस के साथ मिल कर भाजपा की राह मुश्किल करेंगी। कांग्रेस या गहलोत से उनकी करीबी का मैसेज उनकी ताकत बढ़वाएगा। यह जैसे को तैसे वाली राजनीति भी कह सकते हैं। आखिर पिछले दिनों कई बार प्रधानमंत्री मोदी भी गहलोत की तारीफ कर चुके हैं।

आइसा प्रदर्शन के बाद,बैकफुट पर आया लविवि प्रशासन,बढ़ाया पुस्तकालय का समय

टैगौर पुस्तकालय की समस्याओं को ले छात्रों ने किया प्रदर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगौर पुस्तकालय को 24 घंटे खोले जाने को लेकर आइसा संगठन ने लविवि परिसर में धरना प्रदर्शन कर पुस्तकालय के समय में परिवर्तन की मांग उठायी। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि बच्चों की सुविधा के लिए अन्य नामचीन विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों की तरह टैगौर पुस्तकालय को भी 24 घंटे खोला जाए,जिससे सभी छात्र–छात्राओं को पढ़ने में और अधिक सुविधा मिल सकें। इस मौके पर आइसा के सदस्यों ने पुस्तकालय की समस्याओं को लेकर लविवि परिसर में छात्रों के बीच हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। जिसके तहत आइसा ने पुस्तकालय का समय 24 घंटे कराने,पुस्तकालय में नेटवर्क समस्याओं को दुरूस्त करने,फोटो कॉपी का रेट 0.50 पैसा करने जैसी मांगें रखी। वहीं, आइसा के अध्यक्ष आयुष ने बताया कि टैगौर पुस्तकालय में शुद्ध पानी एवं शौचालय की स्वच्छ व्यवस्था को लेकर एक सप्ताह तक अभियान

भी चलाया गया। वहीं, हस्ताक्षर अभियान में सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने हस्ताक्षर किए और समस्याओं पर जल्द ही कारवाई करने की मांग उठायी। अभियान के शुरुआत में लविवि के कुलानुशासक ने इसे रोकने का प्रयास किया,जिस पर छात्रों ने नाराजगी जताई। आयुष ने बताया कि लविवि प्रशासन ने आइसा की मांगों को संज्ञान में लेते हुए कहा है कि स्टाफ के कारण पुस्तकालय का समय 10 दिन तक सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। इसके बाद पुस्तकालय का समय सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक कर दिया जाएगा। साफ–सुथरा शौचालय एवं शुद्ध पानी की व्यवस्था को जल्द दुरुस्त कर दिया जाएगा। साइबर पुस्तकालय में नेटवर्क की समस्या को जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा। इसके अलावा फोटो कापी का रेट 0.50 पैसे कर दिया जाएगा। आइसा अध्यक्ष आयुष ने बताया कि प्रदेश में बीएचयू और बीबीयू जैसे तमाम बड़े विश्वविद्यालयों में 24 घंटे लाइब्रेरी खुल सकती है तो नैक में ए प्लस प्लस वाले लखनऊ विश्वविद्यालय में क्यों नहीं खुल सकती। पुस्तकालय का पूरा शुल्क जमा करने के बाबजूद भी छात्रों को पुस्तकालय की सुविधा से वंचित रखा जाता है,जोकि छात्रों के साथ न इंसाफी है। वहीं,आइसा के नेता हर्ष ने कहा कि वर्तमान में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक कक्षाएं चलती है और पुस्तकालय 5:30 बजे तक बंद होने लगता है,जिसकी वजह से छात्रों को पूरा लाभ प्राप्त नहीं होता और छात्रों को पढ़ने के लिए अलग से निजी पुस्तकालयों में जाना पड़ता है। इस प्रदर्शन में आइसा से जुड़े हर्ष, अमन, सुकीर्ति, ज्योति, क्रांति, अर्पित, अमीष, शुभम, संदीप, निखिल सहित अन्य दर्जनों छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

दो बाइकों की भिड़ंत में शिक्षक की हुई मौत

रायबरेली। जगतपुर कस्बा के उज्जवल पब्लिक स्कूल के पास दो बाइकों में आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसमें 2 शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को जगतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय भेजा गया। बुधवार की देर रात गनसरी निवासी रमाकांत पांडे व ब्राह्मणों के नदौरा निवासी कमल शुक्ल रायबरेली किसी कार्य से गए थे। और वापस लौटते समय जगतपुर कस्बे के उज्जवल पब्लिक स्कूल के पास ऊंचाहार की तरफ से आ रही बाइक सामने से टकरा गई जिसमें दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों द्वारा दोनों घायलों को जगतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया दोनों शिक्षकों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय भेजा गया। सीएससी के डॉक्टर लईक अहमद ने बताया कि दोनों घायल अवस्था में आए थे दोनों को जिला चिकित्सालय भेजा कर। लेकिन जिला चिकित्सालय में भी रमाकांत पांडे उम्र 52 वर्ष के हालत गंभीर बनी होने के चलते उन्हें ट्रामा सेंटर भेजा गया जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई इसकी सूचना मिलते ही बेटी शिवानी पत्नी मधु का रो रो के बुरा हाल है।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 100 लोगों ने कराई जांच, आपरेशन के लिए चिन्हित किये गये 30 मरीज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बिसवां नगर (सीतापुर)। विकासखण्ड के जहांगीराबाद गांव में सीतापुर आंख अस्पताल सीतापुर के निदेशक कर्नल डा० मधु भदौरिया एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डा० वी.के. बरनवाल के निर्देशन में एक निःशुल्क नेत्र शिविर जहांगीराबाद स्थित श्री राम मनोहर श्रीवास्तव स्मारक विद्यालय के प्रांगण में बुधवार को किया गया। जिसमें भारी भीड़ जुटी। इतनी भयंकर सहालग के बावजूद लगभग एक सैकड़ा मरीजों की आंखों की निःशुल्क जांच कर चश्मा व दवाइयां वितरित की गयीं। जिनमें से 30 मरीजों को सीतापुर इलाज के लिये ले गये। यह शिविर जनसेवा समिति के सौजन्य से आयोजित किया गया। जिसमें आंख अस्पताल सीतापुर की वरिष्ठ चिकित्सक डा० कृतिका श्रीवास्तव ने अपनी सहयोगी टीम की सिस्टर रोशनी वर्मा व आप्टोमेट्रिस्ट कोमल बघेल, कोमल सिंह, मिथिलेश कुमार एवं आप्टोमेट्रिक एसिस्टेंट मोनिका तथा शिविर आयोजक विजेन्द्र सिंह सहित आप्टिकल चश्मा दुर्गेश कुमार के साथ जहांगीराबाद पहुंच कर 100 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें उचित

परामर्श एवं चश्मा व दवाइयां दिलवायी। इसी के साथ मोतियाबिंद, नाखूना आदि मर्जो के लगभग 30 मरीजों को चयनित कर अपने अस्पताल की बस द्वारा सीतापुर आंख अस्पताल ले गये। डा० कृतिका श्रीवास्तव ने बताया कि आपरेशन के मरीजों को निःशुल्क बस द्वारा सीतापुर अस्पताल ले जाया जायेगा। जहां मरीज के भोजन, जलपान व रहने की व्यवस्था भी अस्पताल की तरफ से निःशुल्क होगी। आपरेशन के बाद सभी मरीजों को उनके घर छोड़ा जायेगा। डा० विजेन्द्र सिंह ने बताया कि गांव के लोग शहर में जाकर अपनी आंखों का इलाज कराने में असमर्थ होते हैं। ऐसे गरीब लोगों के आंखों की कभी कभी रोशनी भी चली जाती है। इसीलिये सीतापुर आंख अस्पताल द्वारा ऐसे गरीब लोगों के लिये ग्रामीण इलाकों में जगह जगह नेत्र शिवरों का आयोजन किया जाता है। जिससे हर गरीब को अपने घर के निकट ही आंखों का इलाज मिल सके।

संक्षिप्त खबरे

तेज रफ्तार ई रिक्शा पिकप से टकराया, चार घायल

शाहाबाद,हरदोई। शाहजहांपुर हाई वे पर ड्राइवर की लापरवाही से तेज रफ्तार ई रिक्शा पिकप डाला से टकरा गया। जिससे रिक्शा सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौका पाकर रिक्शा चालक फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ई रिक्शा सवारी लेकर सेहरामऊ जा रहा था हरियाली पेट्रोल पंप के पास खड़े पिकप डाला में टकरा गया। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि रिक्शा चालक तेज रफ्तार से लापरवाही से रिक्शा चला रहा था। रिक्शे में सवार चार लोग घायल हो गए। जिन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहाबाद में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। आकाश पुत्र कमलेश 17 वर्ष रुचि, पुष्पा निवासी अम्तोरा,रहीसा,जमीरा निवासी लक्ष्मना पुर कोतवाली शाहाबाद सभी सवारिया सेहरामऊ जा रहीं थीं। मौका पाकर रिक्शा चालक फरार हो गया है। जिसे कोतवाली पुलिस तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी ने रोड पटरी दुकानदारों को दी चेतावनी

कमलापुर (सीतापुर)। प्रत्येक दिवस की भांति आज भी पैदल रूट मार्च किया गया। जानकारी के अनुसार जनपद सीतापुर के थाना कमलापुर में प्रत्येक दिवस की भांति आज फिर पैदल रूट मार्च किया गया। इस मौके पर कमलापुर थाना प्रभारी सतीश चंद्र एवं उपनिरीक्षक शिव प्रसाद पांडे, उपनिरीक्षक आरके सिंह, उपनिरीक्षक मोहम्मद, खालिद कांस्टेबल, जितेंद्र कुमार कांस्टेबल, अनुज कुमार कांस्टेबल विचित्र कुमार गौतम, कांस्टेबल अजय कुमार, कांस्टेबल विनोद कुमार, कांस्टेबल आकाश सैनी, कांस्टेबल मनीष पासवान, कांस्टेबल आकाश कटियार, कांस्टेबल रोहित सैनी और अन्य पुलिस बल मौजूद रहा। कमलापुर थाना प्रभारी ने बताया कि यह रूट मार्च प्रत्येक दिवस किया जाता है। रूट मार्च करते समय रोड पटरी के किनारे सर्विस लेन पर लगाये। दुकानदारों को निर्देशित किया कि आप सर्विस लेन के किनारे दुकान ना लगाएं और अपनी दुकान के सामने किसी भी वाहन को न खड़ा करने दे। ऐसा ना करने पर उचित कार्यवाही करने पर मुझे मजबूर होना पड़ेगा। सर्विस लाइन के किनारे गलत तरीके से खड़ी मोटरसाइकिलों के ऑनलाइन चालान भी काटे गये।

बीएलओ के सपा काउंटर पर जाने को लेकर भड़के भाजपा समर्थक,बूथ पर हंगामा

कानपुर। शहर के गुजैनी इलाके में भाजपा और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता तब आमने–सामने आ गए जब भाजपा समर्थकों ने एक बीएलओ के सपा के काउंटर पर जाने को लेकर आपत्ति कर दी। भीड़ बढ़ने और हालात बिगड़ते देख मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के समर्थकों को तितर–बितर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार गुजैनी क्षेत्र के रविदास पुरम वार्ड 9 में 2 पोलिंग बूथ 50 मीटर के दायरे में बने हैं। भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र चौहान ने आरोप लगाया कि बूथ के आसपास कोई भी बीएलओ नहीं बैठाया गया था,इसके चलते लोगों की पर्ची नहीं बन पा रही थी। कई लोग बिना वोट डाले ही वापस जा रहे थे। थोड़ी देर बाद कुछ बीएलओ आए और सपा के काउंटर में बैठकर पर्चियां बनाने लगे। जबकि सपा प्रत्याशी के पति वीरेंद्र चौहान का कहना है कि एक महिला गलत बूथ पर पहुंच गई थी इस पर मतदान अधिकारी ने उन्हें सामने बने केंद्र पर जाने को कह दिया। इस पर भाजपा भड़क गए। दोनों पक्ष आरोप–प्रत्यारोप लगाकर धक्का–मुक्की करने लगे। पुलिस ने तत्काल सक्रियता बरतते हुए हालात पर काबू पा लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने खुद को मारी,हालत नाजुक

रायबरेली । मौसी के यहां रिस्तेदारी में आये एक युवक ने तमंचे से खुद को गोली मार ली। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे गंभीर अवस्था में लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रतापगढ़ जनपद के थाना लालगंज अझारा के गांव मखदुमपुर रानीगंज कैथौला निवासी शुभम तिवारी (26) पुत्र ओम प्रकाश तिवारी गुरुवार की सुबह साढ़े दस बजे के करीब अपने मौसिया तन्नू पांडे उर्फ अभय पांडे निवासी नुरूद्दीनपुर के घर आया हुआ था।
इसी बीच करीब साढ़े ग्यारह बजे युवक घर के पीछे गली में गया और अपने सीने में तमंचा सटाकर सन्दिग्ध परिस्थितियो में खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। घटना की जानकारी पर युवक के रिश्तेदार उसे सबसे पहले जिला अस्पताल लेकर भागे। वहीं हालत बिगड़ने पर उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया गया। सीओ अमित सिंह ने बताया कि युवक की रिस्तेदारी (मौसी) का घर नुरूद्दीनपुर मे है। सुबह वह यहां आया था। इसके बाद खुद को गोली मार ली ऐसी सूचना ग्रामीणों से मिली है। घटना की जानकारी परिजनों ने पुलिस से छिपाई है। घटना स्थल से एक तमंचा पुलिस ने बरामद कर लिया है। कोतवाल नारायण कुशवाहा ने बताया कि घायल युवक अपने रिस्तेदारी में ज्यादा रहता था। दो मई को तन्नू पांडे के घर लड़की की शादी थी। गुरुवार सुबह ही युवक गांव आया था। घटना में परिवारिक झगड़े की बात सामने आई है।

ट्रैक पर मिला युवती का शव, ट्रेन से कटने की आशंका

अयोध्या। अयोध्या– प्रयागराज रेलवे ट्रैक पर बीकापुर ब्लाक अंतर्गत मंगारी गांव के पास गुरुवार को सुबह 25 वर्षीय अज्ञात युवती की लाश ट्रैक पर पड़ी मिली। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी इंचार्ज चौरे बाजार जनार्दन सिंह ने बताया युवती के पास किसी भी प्रकार की आईडी न मिलने से उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि संभवत किसी ट्रेन की चपेट में आकर युवती की मौत हुई है। हालांकि आत्महत्या की बात से भी पुलिस ने इंकार नहीं किया है। चौकी इंचार्ज ने बताया कि शिनाख्त के लिए प्रयास किया जा रहा है।

पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काटी,बेटी को गला दबाकर की हत्या,खुद भी दे दी जान

डीसीपी साउथ,फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। शहर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में विवाद के बाद गुस्साए पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काट दी। इसके बाद इकलौती बेटी की गला कसकर हत्या कर दी। फिर खुद भी फंदे से लटक कर जान दे दी। इलाकाई लोगों की सूचना पर डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल,एडीसीपी अंकिता शर्मा और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचे है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर पत्नी के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
पिछले आठ माह से पति से अलग रहती थी पत्नी जानकारी के अनुसार, मछरिया बाजार,बाबा नगर निवासी छोटे शाह (36) पेशे के कार चालक थे। वह पिछले कई सालों से अमौली के जिला पंचायत सदस्य बृजेश पटेल की कार चलाते थे। वह अपनी पत्नी रुखसार, बेटी आरजू (14) व दो बेटों आरिफ और आर्यन के साथ नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित जिला पंचायत

सदस्य के नव निर्माणाधीन मकान के तीसरी मंजिल पर रहते थे। पत्नी ने पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ माह से पति से अलग रहती थी। पति उस पर शक करते थे। तीन दिन पहले ही वह यहां आई थी। इसके बाद से लगातार उसके पति से विवाद हो रहा था। गुरुवार दोपहर को भी इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इससे नाराज छोटे ने पहले ब्लेड से उसकी नाक काट दी। इसके बाद वहां मौजूद बेटी की रस्सी से गला कसकर फंदे पर लटका दिया।
पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे फिर दूसरे कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। बेटी और पति को फंदे पर लटकता देख उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद मोहल्ले वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जांच–पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवती का शव

रायबरेली। एक युवती का शव उसके कमरे में संदिग्ध अवस्था में फंदे पर लटकता हुआ मिला है । शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की पुलिस जांच कर रही है।
मामला मिल एरिया कोतवाली क्षेत्र के राही गांव का है । गांव के रहने वाले संदीप कुमार की पत्नी सोनी (30 वर्ष) बुधवार की शाम को खाना खाकर अपने कमरे में सोने चली गई थी। गुरुवार की सुबह जब देर तक उसका कमरा नहीं खुला तो परिजन उसके कमरे में पहुंचे जहां का नजारा देखकर पूरा परिवार सन्न रह गया। सोनी साड़ी से बने फंदे पर लटक रही थी। इस घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

मतगणना हाल में मीडिया कर्मियों का प्रवेश अनुमन्य नही हैः– जिला मजिस्ट्रेट

हरदोई। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा है कि नगर निकाय सामान्य निर्वाचन की मतगणना 13 मई 2023 को प्रातः 08 बजे से होगी और प्रायः देखा गया है कि सूचना प्राप्त करने हेतु मीडिया कर्मी मतगणना हाल में आरओध्एआरओ के पास जाकर मतगणना की जानकारी करने का प्रयास करते है, जबकि मतगणना हाल में मीडिया कर्मियों का प्रवेश अनुमन्य नही है। जिला मजिस्ट्रेट ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये है कि मतगणना स्थल मीडिया कर्मियों के लिए एक पंडाल लगवायें और उसमें पर्याप्त कुर्सिया के साथ ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए समुचित व्यवस्था करवायें। उन्होने मतगणना परिणामों की चक्रवार सटीक जानकारी मीडिया कर्मियों को उपलब्ध कराने हेतु मतगणना स्थल रामस्वरूप पटेल महाविद्यालय बिलग्राम में उपायुक्त मनरेगा को नोडल अधिकारी बनाया है।
इसी तरह राजकीय इण्टर कालेज हरदोई में जिला विकास अधिकारी, दिव्यानंद विद्या मंदिर संत कृपाल नगर सण्डीला में जिला पंचायत राज अधिकारी, बीएन डिग्री कालेज शाहाबाद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा पंत नगर इंटर कालेज पाली के लिए संयुक्त खण्ड विकास अधिकारी भरखनी को नोडल अधिकारी बनाया है। उन्होने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिये है कि आर0ओ0 से चक्रवार मतगणना परिणाम की जानकारी मीडिया कर्मियों को पंडाल में उपलब्ध करायेगें और मतगणना स्थल पर मीडिया मैनेजमेन्ट के उत्तरदायी नोडल अधिकारी होगें।

मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते डीएम और एसएसपी

- मतदान को लेकर नहीं दिखा उत्साह, वोटिंग की धीमी रहीं रफ्तार
- जीजीआईसी में ईवीएम खराबी से बाधित हुआ मतदान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। नगरीय निकाय चुनाव के अंतिम चरण में मतदान को लेकर वोटरों का उत्साह और उल्लास नहीं झलका। विधानसभा चुनाव की तरह मतदान केंद्रों पर न लम्बी – लम्बी कतारें दिखीं न ही समूह में आते मतदाता। गुरूवार को सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान की रफ्तार काफी धीमी रही। सुबह – नौ बजे निर्माणाधीन रामपथ पर अंगूरीबाग मतदान केंद्र पर बूथ नम्बर 26 को छोड़कर कहीं मतदाता नहीं थे। बूथ नम्बर 26 पर ही वोटरों की लाइन लगी दिखी। यहां विभिन्न दलों के अभिकर्ता भी इसे लेकर परेशान दिखे। सुबह साढ़े नौ बजे तक यहां 2450 मतदाताओं के सापेक्ष 150 मत ही पड़े थे। चौलेंज वोट को लेकर भाजपा और सपा के अभिकर्ता भिड़े तो मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने दोनों को बाहर कर दिया। दलों द्वारा लगाए गए बस्तों पर भी वोटर नहीं दिखे। सुबह दस बजे साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर मतदाता जान जोखिम

में डाल कर मतदान के लिए लाइन में लगे दिखाई दिए। यहां मतदान केंद्र के ठीक बाहर नाला खोदे जाने से बांस – बल्ली लगा कर रास्ता बनाया गया। बैरिकेडिंग के बजाए एक नीले रंग का जाल लगा कर फुर्सत कर ली गई। साढ़े दस बजे तक यहां 215 मतदाता मतदान कर चुके थे। वोटर अशोक कुमार ने बताया कि खोदाई के कारण लोग कम निकल रहे हैं। दोपहर 11 बजे के करीब अयोध्या के महाराजा इंटर कॉलेज पर मतदाता नदारद दिखे। इक्का – दुक्का मतदाता आकर मतदान कर जा रहे थे। पौने ग्यारह बजे तक महाराज इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर मात्र बीस फीसदी वोट पड़े थे। यहां भीड़ देख कर पहुंचे एसपी सिटी ने पुलिस कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। तब जाकर मतदान केंद्र के बाहर जमा भीड़ को हटाया जा सका। दोपहर करीब 12 बजे एसएसवी इंटर कॉलेज मतदान केंद्र का भी यही नजारा रहा। यहां तैनात पुलिस कर्मी छांव में कुर्सी डाल कर बैठे दिखाई दिए तो मतदाताओं की संख्या मात्र पचास रही।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौके पर दर्दनाक मौत

रेउसा (सीतापुर)। थानगांव थाना क्षेत्र के बहराइच रेउसा मार्ग पर चहलारी घाट पुल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार किशोर को रौंदा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थानगांव क्षेत्र के जंगल टपरी मजरा गौलोक कोड़र का निवासी मो अहमद 15 पुत्र मो खालिक गुरुवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर अपने दोस्तों दिलीप पुत्र चौकीदार व रोहित पुत्र किशोरी के साथ चहलारी घाट के पास हनुमान मंदिर के पीछे अपने तरबूज और खरबूजे के खेत की रखवाली करने जा रहा था। चहलारी घाट पुल के पास जैसे ही रोड पर उसने मोटरसाइकिल चढ़ाई। वहीं बहराइच की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा ले जाया गया। जहां पर डॉक्टर सुनील यादव ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विकास के लिए सात अरब 48 करोड़ 50 लाख रु की स्वीकृति

लखनऊ । उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर विधान मण्डल के दोनों सदनों के सदस्यों को अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्यों हेतु विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत प्रथम किश्त के रूप में रू०7अरब,48करोड़,50लाख की धनराशि स्वीकृति की गई हैं। इस संबंध में शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। इस शासनादेश में विधान मण्डल के सदस्यों की संस्तुति के अनुसार विकास सम्बन्धी कार्यो हेतु निर्धारित मद में रू0 2520.00 करोड़ की बजट व्यवस्था है। इस बजट व्यवस्था के सापेक्ष विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–2024 में विधान सभा के 403 सदस्यों में 150.00 लाख जी०एस०टी० सहित कुल रू0 60150.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रू० छः अरब एक करोड पचास लाख मात्र) तथा विधान परिषद के 100 सदस्यों में से 98 सदस्यों हेतु रू० 150.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रू० एक करोड़ पचास लाख मात्र) प्रति मा० सदस्य की दर से धनराशि रू0 14700.00 लाख जी०एस०टी० सहित जारी कर दी गई हैं। इस शासनादेश मे स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लिखित व्यवस्था प्राविधानित तथा इस निमित्त समय–समय पर जारीशासनादेशो के अनुसार ही किया जायेगा। यदि किसी विधानसभा एवम विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र का स्थान रिक्त है, तो उस क्षेत्र की धनराशि कोषागार से आहरित नहीं की जायेगी। नगर निकाय सामान्य निर्वाचन आचार संहिता का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि व्यय प्रबंधन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध ा में वित्त विभाग द्वारा समय –समय पर आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ –साथ राजकीय धन व्यय करने में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर –12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यों के सापेक्ष वास्तविक रूप से देय जी एस टी के समतुल्य ही धनराशि का आहरणध्व्यय किया जायेगा।

1168 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में हुआ कैद,वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी

कई जगह ईवीएम खराब होने देर से शुरू हुआ मतदान

कानपुर। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 38 जिलों में मतदान सम्पन्न हो गया। कानपुर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन की पूरी तैयारियां हो गई थी। सुबह सात बजे से सभी मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू हो हुआ। हालांकि दोपहर तक मतदान की गति बेहद धीमी रही। जिले के 1834 बूथों पर 1168 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला गुरुवार शाम 6 बजे के बाद मतपेटी में कैद हो गया। बता दें कि निकाय चुनाव में नगर निगम के 851 पार्षद, महापौर के 13,नगर पालिका घाटमपुर और बिल्हौर में अध्यक्ष के 24,सदस्य के 164, नगर पंचायत बिठूर और शिवराजपुर में अध्यक्ष के 27 सदस्य के 89 प्रत्याशियों के लिए मतदान हुआ है। कानपुर में सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर वोटिंग को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। हालांकि संख्या भले ही कम हो,लेकिन उम्र दराज वोटर्स बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचे। यही नहीं, पहली बार वोट देने वालों में भी खासा उत्साह देखा गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना,कैबिनेट मंत्री राकेश सचान,भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी, भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी और सपा विधायक अमिताभ बाजपेई समेत कई माननीय ने अपने परिवार के साथ मतदान किया। डीएम विशाख जी ने भी वोट पर चोट की। कई जगह खराब हुई ईवीएम मशीनें नवाबगंज ख्योरा में खराब ईवीएम मशीन के कारण दो घंटे देर से मतदान शुरू हो पाया। सरस्वती मॉडल स्कूल छोरा नवाबगंज के कक्ष संख्या एक बूथ संख्या 692 में ईवीएम खराब हुई है। वहीं, हीरा लाल खन्ना के बूथ नंबर 72 में भी ईवीएम खराब हो गई थी, जिसे बदल दिया गया है। लेकिन ईवीएम की खराबी के कारण करीब दो घंटे तक मतदान ठप रहा। इस कारण मतदाताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह नौ बजे तक महापौर पद के लिए 42 और पार्षद पद पर 45 ईवीएम खराब हुई। कई बूथ पर मॉक पोल तक नहीं हो सका।
वार्ड 26 के 411 बूथ नंबर गांधी ग्राम में ईवीएम खराब मिली। महापौर पद की ईवीएम में खराबी आई थी। मतदान 10 मिनट देरी से शुरू हुआ था। वहीं, बूथ नंबर 620 रामकृष्ण मिशन स्कूल में भी ईवीएम में खराबी आई। करीब दो घंटे बाद ईवीएम बदली गई, जिसके बाद मतदान शुरू हो सका।
वोटर लिस्ट में नाम ना होने से मायूस लौटे मतदाता वोटर आईडी कार्ड लेकर आए मतदाताओं का लिस्ट में नाम ना होने की वजह से वोट नहीं डाल पाए। वहीं शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के घर पर पर्ची नहीं पहुंची। इस कारण उन्हें वोट नहीं डालने दिया गया। इससे नाराज मतदाता वापस चले गए। कुछ मतदाता आईडी लेकर पहुंचे थे,उन्हें भी लौटना पड़ा।

दो स्थानों पर हुई टप्पेबाजी की घटनाएं

रेउसा (सीतापुर)। रेउसा कस्बा में दो स्थानों पर मोबाइल लूट की घटना हुई। वहीं पैदल जा रहे युवक से मोटरसाइकिल सवार ने झपट्टा मारकर छीना मोबाइल व आठ हजार रुपया भी छीन लिया। दूसरी जगह मोबाइल दुकान पर डाटा केबल खरीदने के बहाने चकमा देकर मोबाइल लेकर फरार हो गये। दुकान का सीसीटीवी वीडियो आया सामने। जानकारी के अनुसार घटना बीती बुधवार की देर शाम रेउसा चौराहे पर बहराइच रोड की है। रेउसा कस्बा निवासी रामू पोरवाल पुत्र नन्हू लाल पोरवाल पैदल पैदल घर जा रहा था। तभी मौर्या होटल के पास पीछे से आए मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उससे झपट्टा मारकर सामने की जेब में रखा मोबाइल और आठ हजार रुपए छीन कर भाग गये। पीड़ित द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। वहीं दूसरी घटना बहराइच रोड पर स्थित एस मोबाइल सेंटर पर डाटा केबल खरीदने के बहाने एक व्यक्ति द्वारा दुकान संचालक मनीष रस्तोगी का मोबाइल लेकर रफूचक्कर हो गया।

लड़की की शादी समारोह में शामिल होने गए पत्रकार की बाइक चोरी

पहला (सीतापुर)। विगत मंगलवार की देर रात अज्ञात चोर घर के सामने खड़ी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के तिलपुरा गांव निवासी पत्रकार संतोष कुमार वर्मा पुत्र राम कुमार वर्मा एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने अपनी बाइक संख्या यू.पी. 34 आर 2072 से महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत भोजेपुरवा मितौरा गया हुआ था। जिसकी रात्रि करीब दस बजे भोजेपुरवा निवासी माखन लाल के दरवाजे पर बाइक खड़ी कर प्रार्थी सन्तोष वर्मा पड़ोस में निमंत्रण करने चला गया। इसी बीच किसी अज्ञात चोर उचक्के ने बाइक चोरी कर ली। एक घण्टे बाद जब भुक्तभोगी अपनी बाइक लेने उनके दरवाजे पर गया तो बाइक न देखकर भौंचक्का हो गया और इधर उधर काफी खोज बीन की। मगर जब बाइक का कहीं अता–पता नहीं चल सका तो पीड़ित पत्रकार ने 112 नंबर डायल किया और घटना के बारे में जानकारी की। इसके बाद पीड़ित पत्रकार संतोष वर्मा ने बुधवार को महमूदाबाद कोतवाली जाकर प्रार्थना पत्र दिया। महमूदाबाद कोतवाली में पीड़ित पत्रकार से यह बताया गया कि। आप पैंतेपुर चौकी पर जाइए और चौकी पर भी एक प्रार्थना पत्र दे दे। पीड़ित पत्रकार ने पैंतेपुर चौकी पर जाकर एक प्रार्थना पत्र दे दिया। जिस पर दो दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस ने अभी तक किसी प्रकार कोई कार्रवाई नहीं की। अब देखना यह है कि पीड़ित पत्रकार की बाइक मिलती है या फिर ऐसे ही महमूदाबाद कोतवाली पुलिस पीड़ित पत्रकार को ऐसे ही गोल–गोल घुमाती रहेगी।

मिलेट्स प्रोत्साहन नीति से मोटे अनाज को लेकर बदला रुझान

- प्रयागराज में मिलेट्स से बने उत्पादों का तेजी से बढ़ा ट्रेंड
- मोटे अनाज पैदा करने वाले स्थानीय किसानों को मिला फसल का नया बाजार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में मोटे अनाज के उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ाने के लिए योगी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है । प्रदेश में श्रीअन्न किसी न किसी रूप में हर आम एवं खास की थाली का हिस्सा बनें, यह सरकार का संकल्प है। इसके लिए मिलेट्स उत्पादन का रकबा बढ़ाने के साथ इनसे बनाये गए उत्पादों का होटल और रेस्तरां के मीनू में शामिल होना भी जरूरी है। प्रयागराज के बहादुरगंज की सुलाखी लाल श्रीनाथ एंड संस शहर की मिष्ठान और नमकीन की 80 साल पुरानी शॉप कम संगम नगरी के इतिहास और खानपान की संस्कृति का हिस्सा अधिक है। सरकार की तरफ से मिलेट्स के उत्पादों के प्रोत्साहन के ऐलान के बाद मिलेट्स से तैयार हुए एक दर्जन से अधिक उत्पाद इनके मीनू में शामिल हो गए हैं। यहां सेल्स की जिम्मेदारी संभालने वाले आलोक बताते है कि मिलेट के प्रोडक्ट्स की उनके यहाँ तेजी से मांग बढ़ी है। उनके यहाँ रागी कसोल, बाजरे के केक, ज्वार के लड्डू, सांवा बर्फी. बाजरे के लड्डू और कुकनी का पेड़ा जैसी मोटे अनाज की मिठाइयाँ बन रही हैं। उत्पादों में पोषण मूल्य अधिक होने के कारण उनके पास इसके लिए इतने ऑनलाइन और ऑफ लाइन ऑफर आ रहे हैं कि बहुत सारे ग्राहकों की मांग भी वह नहीं पूरा कर पा रहे हैं। इधर मिलेट्स से बने उत्पाद। पकवान और डिशेज को होटल और रेस्तरां के मीनू में तेजी से शामिल करने से इसकी मांग तेजी से बढ़ी है। शहर के बेनी गंज में ग्रांडमा मिलेट्स के नाम से मोटे अनाज की कुकीज और बिस्किट तैयार करने की यूनिट डालने वाले रविन्द्र सिंह आज मिलेट्स से लाखो कमा रहे हैं। रविन्द्र सिंह बताते हैं कि सरकार मिलेट्स की प्रोसेसिंग इकाइयां लगाने वालों को 100 फीसद अनुदान दे रही है। मिलेट्स की पैदावार के लिए जिन भौगोलिक परिस्थितियों जरुरत है प्रयागराज जनपद उसके लिए अनुकूल है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मोटे अनाज के उत्पादन को मिल रहे प्रोत्साहन के बाद इसका तेजी से प्रसार हो रहा है। कृषि उप निदेशक विनोद कुमार के मुताबिक जिले में 35,000 हेक्टेयर में मिलेट की पैदावार की जा रही है। इस साल इसके पैदावार का रकबा 5 हजार हेक्टेयर और बढ़ाने का लक्ष्य तय हुआ है। सरकार जिले के मिलेट्स पैदा करने वाले किसानो को विभिन्न चरणों में सब्सिडी भी दी दे रही है। इस साल सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1100 कुंतल बाजरे की खरीद की है जिससे इन उत्पादकों को उनकी फसल का और भी लाभ मिला है।

15 मई से शुरू होगा विशेष

प्रयागराज। वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग मुक्त बनाने और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को और गति देने लिए नियमित प्रयास किया जा रहे हैं। इसी क्रम में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 15 मई से 21 कार्य दिवसों तक विशेष अभियान चलाकर क्षय रोगी खोजे जाएंगे। इसके लिए सभी सीएचओ को मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी ने दी।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी ने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर क्षय रोगियों के चिन्हीकरण, जांच, उपचार, निक्षय पोषण योजना के तहत राशि का सीधे बैंक में ट्रांसफर, काउंसलिंग एवं सामाजिक सहयोग देने में खास भूमिका अपेक्षित है। जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर सीएचओ की नियुक्ति की गई है। इस अभियान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से दूर वाले इलाकों और बीते दो वर्षों में टीबी रोगी या कोविड रोगी वाले चिन्हित स्थलों पर यह अभियान चलेगा। हर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर हर सप्ताह तीन–तीन शिविर लगाए जाएंगे।

बिल्डिंग में घटिया सामग्री प्रयोग किए जाने छात्र नेताओं ने जताई नाराजगी

अधिशाषी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता को लिखा पत्र

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग परिसर के एनसीसी ग्राउंड में निर्माणाधीन लेक्चर हॉल में बुलंद इंफा द्वारा घटिया सामग्री के प्रयोग किए जाने के संदर्भ में अधि शाषी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता केंद्रीय लोक निर्माण विभाग केंद्रीय सदन प्रयागराज को छात्र नेता अजय यादव सम्राट के द्वारा पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई गई है।

छात्र नेता छात्र नेता अजय यादव सम्राट ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग परिसर के एमसीसी ग्राउंड में निर्माणाधीन लेक्चर हॉल के बुलंद इंफा द्वारा घटिया सामग्री प्रयोग किए जाने पर कहा परिसर के एनसीसी ग्राउंड में लेक्चर हॉल का निर्माण बुलंद इंफा द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में अभी राफ्ट की ढलाई कराया जा रहा है मैं वहां देखने पहुंचा लेकिन वहां जाने के बाद पता चला कि राफ्ट की ढलाई में कंपनी के द्वारा बहुत बड़ा घोटाला किया जा रहा है। ढलाई में सीमेंट, बालू प्लास्टिक साइजर और गिट्टी 20 एमएम एवं 10 एमएम का भी घटिया प्रयोग किया जा रहा है। छात्र नेता अजय सम्राट ने विभिन्न आरोपों को लगाते हुए इस प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इंजीनियरिंग विभाग के कुछ अधिकारियों से जांच कराने का अनुरोध किया और घटिया निर्माण को तत्काल बंद कराने तथा ठेकेदार के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करके लाइसेंस निरस्त कराने की मांग की और घटिया सामग्री चेन हुए निर्माण को ध्वस्त करा कर पुनः निर्माण कराने का भी अनुरोध किया और इस प्रकरण को महामहिम राष्ट्रपति,महामहिम राज्यपाल, शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय कुलाधिपति, एवं विजिलेंस कमीशन,एवं पीएमओ को भी पत्र एवं घटिया बालू गिट्टी की तस्वीरों के साथ अवगत कराया।

संक्षिप्त खबरे

अतीक के गुर्गो पर धोखाधड़ी और धमकी का मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। हाईकोर्ट के अधिवक्ता मो. उमर खान की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश और जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर करेली पुलिस ने अतीक के गुर्गे कम्मू, जाबिर उसके सहयोगी मेंहदौरी निवासी बेलाल, बदलू कमर, जीटीबी नगर के अब्दुल हसीब खां, सादमान, मरियाडीह के नूर हमजा, आफाक, शम्स नगर कालोनी के फरहत शाहीन, खुर्शीद, शमशेर और कई अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी का मुकदमा कायम किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐनुद्दीनपुर करेली निवासी अधिवक्ता उमर का आरोप है कि उसने वर्ष 2015 में करेलाबाग में एक जमीन खरीदी थी। जब जमीन कीमती हो गई तो अतीक के गुर्गे कम्मू, जाबिर सहित अन्य लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। वकील द्वारा विरोध पर धमकाया कि अगर कहीं शिकायत की तो जान से मार दिया जाएगा। पीड़ित का यह भी आरोप है कि कुछ भूमाफिया अभियुक्तों की मदद करते हैं। इंस्पेक्टर करेली रामाश्रय यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा कायम कर विवेचना की जा रही है। जल्द ही साक्ष्य संकलित कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ललिता शास्त्री एक समर्पित साधिका थीं: चौ.जितेंद्र

प्रयागराज। शहर कांग्रेस जनों एवं शास्त्री विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की पत्नी स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती ललिता शास्त्री को उनकी 112वीं जयंती पर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय की अध्यक्षता में लाजपत राय रोड पर अपराह्न समारोह आयोजित किया गया। पूर्व महापौर चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने कहा कि ललिता शास्त्री एक समर्पित साधिका थी। उनमें अटूट मातृत्व और स्नेह था। उन्होंने शास्त्री जी को कठिन परिस्थितियों में भी बुलंद हौसला और ताकत प्रदान की। यही कारण था कि समस्याओं से संघर्ष कर शास्त्री जी देश के प्रधानमंत्री पद जैसे बड़े ओहदे पर आसीन हुए। संयोजक वार्ष्णेय ने कहा कि उनकी छवि बलिदान की थी । वह उन चुनिंदा ईमानदार महिलाओं में थी जो अपने पति और परिवार के लिए पूरी तरह समर्पित थीं। प्रारंभ में लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूर्व पीसीसी सदस्य हरिकेश त्रिपाठी, देवी पांडेय, अनिल श्रीवास्तव, अजय मिश्रा, जगदीश श्रीवास्तव, डा. ए के सिंह, सुनील पांडेय, केशव पासी , इंद्रेश मिश्रा, डा.विजय , रमेश जायसवाल, ओमप्रकाश त्रिपाठी, अजय श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, जेपी श्रीवास्तव आदि थे।

सपा विधायक अतुल प्रधान ने लगाया बूथ कैप्चरिंग का आरोप

मेरठ। अंबेडकर इंटर कॉलेज तेजगढ़ी के एक बूथ पर पांच लोग और बाकी दो बूथ पर धीमी गति से मतदान चल रहा है। एक बूथ पर 650 वोटों में से मात्र अभी तक 150 वोट ही पड़े हैं। इस बूथ पर तेजगढ़ी चौराहा के आसपास दलित बस्ती और अन्य के मत हैं। सपा विधायक अतुल प्रधान ने मतदान केंद्र पर वोटों की गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग को ट्वीट कर शिकायत की है। अतुल प्रधान ने फतेहउल्लापुर चौकी इंचार्ज पर बूथ कैपचरिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से संज्ञान लेने के लिए पोस्ट लिखकर सोशल मीडिया पर शेयर की।

दो के कब्जे से 120 क्वार्टर देशी शराब बरामद

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर नगर निकाय चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने को अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में चौकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग हरीशचन्द्र मिश्रा की टीम ने राज रैकवार पुत्र देवराज निवासी शिवरामपुर को 90 क्वार्टर देशी शराब व पुरुषोत्तम पटेल पुत्र जगभवन निवासी आश्रमशाला के सामने पीली कोठी सतना मप्र को 30 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है।

गुरुवार को चौकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चौकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग हरीशचन्द्र मिश्रा, दीवान शिवकरन यादव, सिपाही रविन्द्र राठौर, आशीष कुमार सिंह शामिल रहे।

शराब ठेके के पीछे मिला अधेड़ का शव, जमीन की लालच में हत्या की आशंका

प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के मोहनगंज स्थित शराब के ठेके के पीछे गुरूवार की सुबह अधेड़ का शव बरामद हुआ है। बताया गया कि मृतक शिव शंकर सिंह 52 मोहनगंज चौकी केसिटकहा पूरे खुशई गॉव का रहने वाला है। निःशंतान शिव शंकर के घर में पत्नी के आलावां और कोई नहीं है। संतान न होने से उसके जमीन पर तथाकथित लोगों की नजर थी। उसके जमीन को हथियाने के लिए कुछ लोग उसे प्रायः शराब पिलाया करते थे। बताया गया कि दारू पिलाने के बहाने कुछ लोगों ने देर शाम ले जाकर डंडे से पीट–पीटकर व कुचलकर हत्या कर दी। चर्चा है कि अधेड़ की अन्यत्र हत्या करके शव रात में ठेके के पास फेंका गया है। आबादी के बीच अधेड़ की हत्या पर किसी को कानोकान खबर तक नहीं लगी। गुरूवार की सुबह जानकारी होने पर प्रधान विनोद सिंह ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से पूंछतांछ कर शव पीएम के लिए भेजा। घटना के संबंध में लीलापुर एसओ ने बताया कि ठेके पर लगे सीसीटीवी कैमरे से घटना का शीघ्र खुलासा होगा।

पुलिस भर्ती के लिए दौड लगा रही बेटी को अगवाकर गैंगरेप

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में गुरूवार की सुबह 4 बजे घर से निकलकर पुलिस भर्ती के लिए सड़क पर दौड़ लगा रही बेटी को अगवाकर हैवानियत की गई। हैवानों को बेटी के रोज सुबह अंधेरे में दौड़ लगाने की जानकारी पहले से थी। वह रोज गॉव के सड़क पर दौड़ की प्रैक्टिस करती थी।

कोरांव की बहू को मिला मानद डॉक्टरेट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जेडी फाउंडेशन की ट्रस्टी एवम एक्यूरा क्रिटिकल केयर अस्पताल की निदेशक श्रीमती इलाक्षी शुक्ला को द अमेरिकन यूनिवर्सिटी के द्वारा विगत 10 वर्षों से अधिक समय से समाज सेवा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों को देखते हुए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। डॉ इलाक्षी शुक्ला द्वारा प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार निस्वार्थ भाव से कार्य किया जा रहा है। डॉ शुक्ला ने अपने ट्रस्ट के माध्यम से विगत माघ मेले में भंडारा एवं कंबल वितरण का कार्य आने वाले श्रद्धालुओं की मदद एवं उनकी सेवा के लिए विगत कई वर्षों की भात इस वर्ष भी कार्य किया गया। डॉ इलाक्षी शुक्ला मैनेजमेंट में परास्नातक हैं एवं परास्नातक के दौरान से ही उनके द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में समूह बनाकर समाज के हित के लिए कार्य किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करना कंबल वितरण करना रक्तदान शिविर आयोजित करना निशुल्क किताबें एवं पढ़ाई के अन्य सामग्री वितरित करना सम्मिलित हैस डॉ इलाक्षी शुक्ला एक्यूरा क्रिटिकल केयर अस्पताल प्रयागराज की निदेशक भी हैं। क्षेत्र के बरहुला गांव की बहू डॉ इलाक्षी शुक्ला की इस उपलब्धि से संपूर्ण क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार ष्हरित प्रौद्योगिकी और सामाजिक आर्थिक स्थिरता के नए आयामष के प्रथम दिन संध्याकालीन विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश एवं विदेश के चुनिंदा लोगों को द अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए के द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

एक घंटे के अन्दर पुलिस ने मोटराबाइक मालिका को सौंपी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर चौकी प्रभारी सीतापुर की टीम ने मैरिज हाल से चोरी हुई मोटरबाइक को एक घंटे के अन्दर बरामद कर वाहन स्वामी के सुपुर्द किया। ज्ञात है कि दस मई की रात दो बजे चौकी सीतापुर में सत्यम सेन पुत्र संतोष सेन निवासी बांध तालाब सीतापुर कोतवाली कर्वी ने सूचना दी कि कृष्णकुंज मैरिज हाल बेड़ीपुलिया से उसकी टीवीएस फिनिक्स मोटरबाइक यूपी 90एन–5948 खो गयी है। काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली। सूचना पर चौकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह ने तत्काल खोजबीन कर रात तीन बजे मोटरबाइक को खुटहा शिवरामपुर के पास से बरामद कर लिया। मोटरसाइकिल स्वामी सत्यम सेन को सुपुर्द किया तो उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस की सराहना की। वाहन स्वामी ने पुलिस के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

साइबर ठगो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन मे साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने की गरज से जनपद मे चलाये जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को विशुनपुरा थाने व साइबर की संयुक्त पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गोड़रिया तिराहा से विदेशो में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे बड़ी मात्रा में धन ऐंठने वाले दो साइबर ठगो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकडे गये ठगो के पास से नगद धनराशि, दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोटर साइकिल सहित कुल लगभग दस लाख पचास हजार रुपये के सामान बरामद किया है। पुलिस द्वारा पूछताछ में पकड़े गए ठगो ने बताया कि वे लोग भोले–भाले जनता को विदेशो में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे अधिक से अधिक धन ऐठते है। फिर उनको कूटरचित दस्तावेज तैयार कर तमाम विदेशी कम्पनियों के आफर लेटर, सर्विस सर्टिफिकेट, इलेक्ट्रानिक बीजा व अन्य महत्वपूर्ण कागजात के स्क्रीनशाट लेकर तथा इडिट करके उनकी प्रिंट आउट निकालकर फर्जी हस्ताक्षर व मुहर लगाकर कूटरचित दस्तावेज की सहायता से लोगो को विश्वास में लेकर प्रति व्यक्ति एक लाख बीस हजार रूपये फीस के रूप में लेकर टूरिस्ट बीजा पर उनको विदेशो में नौकरी लगवाने के नाम पर भेज देते हैं। इसके बाद वह लोग तय समय–सीमा पर बिना नौकरी के ही वापस आ जाते है।

कुछ लोग विदेश मे ही फस जाते है इधर हम लोग अपना ठिकाना बदल देते है और नए ग्राहको को अपना शिकार बनाने के लिए ढूंढने लगते है। ठगो ने बताया कि वे लोग अब तक करीब डेढ़ हजार लोगो को अपना शिकार बना चुके है। पुलिस के हत्थे हरेन्द्र यादव पुत्र हीरालाल यादव निवासी पुरैना कटेया थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर वर्तमान मे तमकुहीराज निवासी नरेश गोड़ के मकान में किराये के मकान मे रहता है। अंकित गोड़ पुत्र गणेश गोड़ निवासी ब्लाक रोड तमकुहीराज थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर शामिल है।

आरएसएस पदाधिकारी के वेडिंग एनिवर्सरी समारोह में रुपयों से भरा बैग उड़ाया, मचा हड़कंप

मेरठ। मेरठ में दिल्ली रोड पर रजवाड़ा फार्म हाउस में बुधवार रात 10 बजे सेवानिवृत बैंक मैनेजर एवं आरएसएस के नगर संघचालक सतीश गुप्ता के वैवाहिक वर्षगांठ पर हुए समारोह में साढ़े तीन लाख रुपये से भरा बैग किसी ने उड़ा दिया। घटना के बाद समारोह में शामिल परिवार के लोगों और अन्य रिश्तेदारों ने हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि फार्म हाउस मैनेजर ने अभद्रता की और छानबीन में सहयोग नहीं किया। पुलिस काफी देर से पहुंची। मामले में तहरीर दी गई है। पुलिस जांच कर रही है।

देवलोक कॉलोनी निवासी सतीश गुप्ता और उनकी पत्नी अरुणा गुप्ता की 40वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर समारोह चल रहा था। सतीश के दो बेटे नमन और नितेश गुरुग्राम में एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।

भतीजे ने मृतक की पत्नी और ससुराली जनों पर लगाया हत्या का आरोप

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मनौरी गांव में एक व्यक्ति का शव खंडहरनुमा घर में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला है। मृतक कई माह से ससुराल में रहकर जीविकापार्जन के लिए ईंट भट्ठे पर काम किया करता था। बीती रात किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हुआ उसके बाद बिना बताए घर से बाहर चला गया फिर वापस लौटकर नही आया। बृहस्पतिवार की सुबह रस्सी के सहारे उसकी लाश खंडहरनुमा घर में फांसी के फंदे से झूलती हुई मिली यह जानकारी होते ही मृतक की पत्नी और ससुरालीजनो के होश उड़ गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरी थाना क्षेत्र के वार्ड न0 2 नईम मिया का पूरा निवासी नच्चू उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्र सूरज पाल कई माह पहले पत्नी और बच्चों के साथ मनौरी गांव चला गया था और ससुराल में रहकर कोइलाहा स्थित ईंट भट्ठे पर काम किया करता था। लोगों की माने तो वह नशे का आदी भी था इसी बात को लेकर बुधवार की रात मृतक और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हुई। पत्नी का कहना है कि उसके बाद मृतक घर से बिना बताए बाहर चला गया सुबह उसकी लाश मनौरी गांव में खंडहरनुमा घर में मिली है। युवक का शव मिलने की जानकारी हुई तो पत्नी व ससुराली जनों के होश उड़ गए।

मृतक के भतीजे जयसिंह ने नच्चू की मौत का आरोप मृतक की पत्नी, सास, ससुर, साला, एवं साली के ऊपर लगाया। जयसिंह ने आरोप लगाते हुए पूरामुफ्ती थाना में लिखित तहरीर देकर बताया कि नच्चू को उसकी पत्नी और अन्य ससुराली जनों ने बीती रात को विवाद होने के कारण पीट – पीट कर मौत के घाट उतार दिया उसके बाद आत्म हत्या का रूप देने के लिए एक खंडहर नुमा घर में फांसी का फंदा बनाकर लाश को टांग दिया। सूचना पाकर पूरामुफ्ती पुलिस बल मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया।

डीएम व एसपी ने अति संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील प्लस बूथों का किया निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। नगरीय निकाय चुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गया। जनपद के 10 नगर पंचायत व एक नगर पालिका के लिए गुरूवार को मतदान षांतिपूर्ण ठंग से संपन्न हुआ। मऊ नगर पालिका, कोपांगज, घोसी, दोहरीघाट मुहम्दाबाद, मधुबन, अदरी, कुर्थिजाफरपुर, वलीदपुर, चिरैयाकोट तथा अमिला नगर पंचायत में मतदान हुआ। मतदान के दौरान जिलाधिकारी अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे के साथ नगर पालिका परिषद क्षेत्र में स्थित कई अति संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील प्लस बूथों का मतदान के दौरान निरीक्षण किया। इस दौरान कंपोजिट विद्यालय ख्वाजा जहांपुर, मुस्लिम इंटर कॉलेज, मदरसा फैज ए आम, जामिया मिफ्ताहूल उलूम निस्वा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुगलपुरा, मुन्नी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, तालीमुद्दीन इंटर कॉलेज, तालीमुद्दीन महिला डिग्री कॉलेज पहाड़पुर, नाजिमउद्दीन गर्ल्स इंटर कॉलेज, मदरसा बहरूल ओलूम खिरीबाग, नगर पालिका परिषद, डीएवी इंटर कॉलेज बल्लीपुर सहित कई अन्य मतदान केंद्रों पर स्थित बूथों का निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा किया गया। बूथों के निरीक्षण के दौरान कुछ मतदान कार्मिकों द्वारा फोन का प्रयोग करने एवं मतदाताओं के उंगली पर ठीक ढंग से स्याही ना लगाने अथवा बिना स्याही लगाए ही भेज देना का मामला संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी ने तत्काल ऐसे कार्मिकों के मोबाइल सीज करने के साथ ही तत्काल ड्यूटी से हटाने तथा उनके स्थान पर रिजर्व कार्मिकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान संदेहास्पद मतदाताओं के पहचान पत्रों की गहनता से जांच भी जिलाधिकारी के निर्देश पर कराई गई। कुछ मतदाताओं के पहचान पत्र उनके द्वारा दी गई जानकारियों से भिन्न मिलने पर उनकी पूरी जांच पड़ताल करने के उपरांत ही मतदान कराने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदान कार्मिकों एवं सुरक्षाबलों संदेहास्पद मतदाताओं की गहनता से जांच करने तथा फर्जी पाए जाने पर तत्काल पुलिस अभिरक्षा में रखने के निर्देश दिए।

मुक्त विश्वविद्यालय ने लगाया योग एवं मतदाता जागरूकता शिविर

हस्तशिल्प सामग्री खरीद कर किया ग्रामीण महिलाओं का उत्साहवर्धन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से गुरुवार को योग जागरूकता शिविर एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए बारी गांव में आयोजित किया गया। महिला अध्ययन केंद्र ने हस्तशिल्प सामग्री खरीद कर ग्रामीण महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय, बारी सोरांव में शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने गांव वालों का स्वागत करते हुए बताया कि भारत के लोकतंत्र के बहुमुखी विकास में जनता की सहभागिता और मजबूत राजनैतिक तंत्र की बुनियाद में मतदान की भूमिका सबसे अहम होती है। अतः हमें अपने मतदान का प्रयोग अवश्य करना चाहिए तथा देश के उन्नति एवं विकास में सहयोग देना चाहिए।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि भारत एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य है, जहां जनता का शासन चलता है। जनता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर एक ऐसे व्यक्ति को चुनती है, जो देश को विकास के पथ पर अग्रसर करवाने के लिए योग्य हो और देश की बागडोर को कुशलतापूर्वक संभाल सके। महिला अध्ययन केंद्र की सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि हर एक व्यक्ति का वोट बेहद कीमती होता है क्योंकि एक वोट भी किसी सरकार को गिराने और उसे बनाने का दमखम रखता है। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत में ऐसी कई प्रकार की चीजें हैं जो मतदान से तय की जाती हैं।

सीएम के खिलाफ मुकदमे की अर्जी का मामला

प्रयागराज। जिला अदालत के अधिवक्ता द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफ दाखिल अर्जी प्रभारी सीजीएम के खारिज करने से क्षुब्ध अधिवक्ता ने सेशन कोर्ट में रिवीजन दाखिल किया। जिसे प्रभारी जिला जज सिद्धार्थ कुमार राघव ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद रिवीजन पोषणीय न होने के कारण खारिज कर दिया। डीजीसी गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि 2 माह पहले हिंदी दैनिक अखबार हिंदुस्तान व अमर उजाला में छपे मुख्यमंत्री के वक्तव्य से क्षुब्ध होकर जिला अदालत के अधिवक्ता आजम राईन द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमे की अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया गया था कि सीएम द्वारा दिया गया वक्तव्य (भारत हिंदू राष्ट्र है और यहां का हर नागरिक हिंदू है) भारतीय संविधान के प्रस्तावना में उल्लेखित धर्मनिरपेक्ष शब्द का पूरी तरह उल्लंघन करता है एवं भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 295 (क) एवं 298 वा505 (2) को आकर्षित कर रहा है।

जो संज्ञेय अपराध है तथा दंडनीय है। जिसे प्रभारी सीजीएम द्वारा खारिज कर दिया गया था। उसके बाद रिविजनिस्ट आजम ने सेशन कोर्ट में रिवीजन दाखिल कर कहा कि 2 मई को उक्त अदालत द्वारा पारित आदेश पूरी तरह विधि विरुद्ध, आधारहीन है। उसे निरस्त किया जाए। क्योंकि प्रस्तुत रिवीजन के संदर्भ में हाईकोर्ट के पूर्ण पीठ के निर्णय 23 सितंबर 2014 जगन्नाथ वर्मा बनाम स्टेट ऑफ यूपी एवं अन्य के आलोक में नजीर पेश किया जा रहा है। जो ग्रहण किए जाने योग्य है। वही डीजीसी ने कहा कि रिवीजन में क्षेत्राधिकार की कमी है क्योंकि घटना लखनऊ की है। उक्त अदालत को रिवीजन स्वीकार करने का क्षेत्राधिकार नहीं है। रिवीजन खारिज किए जाने योग्य है। अंत में अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पोषणीय न होने के कारण रिवीजन को खारिज कर दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।